हरिभूमि
जांजगीर-चांपा भूमि
बिलासपुर, सोमवार, 8 जून 2026

तापमान
अधिकतम 41.0 डिग्री
न्यूनतम 28. 0 डिग्री

खरौद सब स्टेशन निर्माण कार्य में लेटलतीफी सामग्री और भुगतान नहीं होने से अटका काम

4

खबर संक्षेप

आईटीआई में प्रवेश के लिए ऑनलाइन आवेदन 15 तक

जांजगीर-चांपा। औद्योगिक प्रशिक्षण संस्था (आईटीआई) सक्ती में प्रवेश सत्र 2026-27 एवं 2026-28 के लिए रिक्त सीटों पर प्रवेश हेतु ऑनलाइन आवेदन आमंत्रित किए गए हैं। इच्छुक अभ्यर्थी 15 जून की रात्रि 11:59 बजे तक ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं। आवेदन की प्रक्रिया वेबसाइट के माध्यम से पूरी की जाएगी। आईटीआई सक्ती के प्रभारी चन्द्रेश दिव्य ने बताया कि शासकीय आईटीआई सक्ती में फिटर, विद्युतकार, कोपा एवं सिलाई टेक्नोलॉजी व्यवसाय संचालित किए जा रहे हैं। अभ्यर्थियों को ऑनलाइन आवेदन करने से पूर्व वेबसाइट पर उपलब्ध प्रवेश विवरणिका का भलीभांति अध्ययन करने की सलाह दी गई है। उन्होंने कहा कि प्रवेश से संबंधित किसी भी प्रकार की जानकारी एवं मार्गदर्शन के लिए अभ्यर्थी कार्यालयीन समय में आईटीआई सक्ती से संपर्क कर सकते हैं।

प्रधानमंत्री राष्ट्रीय बाल पुरस्कार के लिए आवेदन 31 जुलाई तक

जांजगीर-चांपा। प्रधानमंत्री राष्ट्रीय बाल पुरस्कार के लिए ऑनलाइन आवेदन 31 जुलाई तक आमंत्रित किया गया है। जिला कार्यक्रम अधिकारी ने बताया कि प्रधानमंत्री राष्ट्रीय बाल पुरस्कार 2026 के तहत जिले के ऐसे वीर बालक-बालिकाएं जिन्होंने अपने स्वयं के जीवन को जोखिम में डालते हुए उसकी निस्वार्थ सेवा या प्रतिकूल प्राकृतिक या मानव निर्मित परिस्थितियों के खिलाफ उत्कृष्ट साहस का कार्य, असाधारण कार्य, सामाजिक सेवा. पर्यावरण, खेल, कला एवं संस्कृति तथा विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी, किया हो पीएमआरबीपी 2026 के लिए आवेदन ऑनलाइन पोर्टल के माध्यम से 31 जुलाई 2026 तक आवेदन आमंत्रित किया है। उन्होंने बताया कि 18 वर्ष से कम आयु के है वे बच्चे जिन्होंने इन क्षेत्रों में उत्कृष्टता और उत्कृष्ट योगदान दिया है, नामांकन के लिए पात्र हैं वे ऑनलाइन आवेदन प्रेषित कर सकते है।

उत्कर्ष योजना अंतर्गत कक्षा 6वीं प्रवेश प्रक्रिया स्थगित

जांजगीर-चांपा। आदिम जाति तथा अनुसूचित जाति विद्यार्थी उत्कर्ष योजना (पूर्व में जवाहर उत्कर्ष योजना) के अंतर्गत अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति वर्ग के ग्रामीण प्रतिभावान छात्र-छात्राओं को वर्ष 2026-26 में राज्य के उत्कृष्ट निजी विद्यालयों में कक्षा 6 वीं में प्रवेश हेतु 26 जुलाई को लिखित परीक्षा आयोजित की गई थी। सहायक आयुक्त आदिवासी विकास विभाग ने बताया कि वर्तमान में संस्था इम्पैनलमेंट एवं कक्षा 6 वीं में पत्रेश हेतु की जा रही प्रक्रिया में विलंब होने के कारण वर्तमान सत्र 2026-27 के लिये योजना अंतर्गत प्रवेश प्रक्रिया स्थगित किया गया है। उक्त परीक्षा में सम्मिलित होने वाले विद्यार्थी, पालकों को सूचित किया गया है कि लिखित परीक्षा के संबध में आवेदन जमा ना करें। शासन से दिशा निर्देश प्राप्त होते ही पृथक से सूचना जारी किया जाएगा।

मातृ वंदना योजना के लिए कार्यशाला

जांजगीर-चांपा। महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा कलेक्टोरेट सभाकक्ष जांजगीर में प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना के प्रभावी क्रियान्वयन एवं शत-प्रतिशत लक्ष्य प्राप्ति के उद्देश्य से एक दिवसीय प्रशिक्षण सह कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला में परियोजना अधिकारी, पर्यवेक्षक एवं कंप्यूटर ऑपरेटर उपस्थित थे। जिला कार्यक्रम अधिकारी श्रीमती अनिता अग्रवाल ने बताया कि आयोजित प्रशिक्षण में योजना के नवीन दिशा-निर्देशों, पात्रता मानदंडों, लाभ वितरण प्रक्रिया तथा पोर्टल पर समयबद्ध पंजीयन की जानकारी दी गई। कार्यशाला में बताया गया कि योजना अंतर्गत प्रथम संतान पर 5 हजार तथा द्वितीय संतान बालिका होने पर 6 हजार की सहायता राशि से संबंधित प्रावधानों को विस्तार से समझाया गया।

2 लाख 89 हजार पंजीकृत, महज 46 हजार को ही मिल रहा कार्य

मनरेगा में हर हाथ को नहीं मिल रहा काम, मजदूरों की बढ़ी परेशानी

हरिभूमि न्यूज ⏭ जांजगीर-चांपा

ग्रामीणों को गांव में ही रोजगार देने की मंशा से सरकार द्वारा मनरेगा योजना चलाई जा रही है। जिले में रोजगार गारंटी के 2 लाख 89 हजार 546 पंजीकृत श्रमिक है। हर हाथ को योजना के तहत काम नहीं मिल पा रहा है, जो पंजीकृत मजदूर है उनमें भी महज 46 हजार को ही हर दिन काम मिल पा रहा है। जबकि 2 लाख 43 हजार से अधिक मजदूर को काम की तलाश है। वहीं कुछ दिनों बाद बरसात के चलते मनरेगा का काम भी बंद हो जाएगा।

मनरेगा के तहत ग्रामीण क्षेत्रों में रहने वाले पंजीकृत श्रमिकों के हर हाथ को काम नही मिल पा रहा है। ज्यादातर ग्राम पंचायतो में रोजगार के काम भी नहीं चल पा रहे है। महात्मां गांधी राष्ट्रीय रोजगार गारंटी योजना के तहत ग्रामीण क्षेत्रों में रहने वाले पंजीकृत मनरेगा श्रमिको को ग्रामीण स्तर पर ही रोजगार उपलब्ध कराया जाना है ताकि वे भी गांव में ही काम पा सके एवं अन्य राज्यो की ओर पलायन ना करे। इधर ग्रामीण क्षेत्रों में रहने वाले श्रमिको को मनरेगा के तहत काम भी नहीं मिल पा रहा है। स्थिति यह है कि जांजगीर-चांपा जिले में 2 लाख 89 हजार 546 मनरेगा श्रमिक है। इनमें भी महज 46 हजार श्रमिकों को ही प्रति दिवस का काम मिल पा रहा है, जबकि 2 लाख 43 हजार से अधिक श्रमिकों को काम की तलाश है। कुछ दिनों बाद बरसात का मौसम में भी प्रारंभी हो जाएगा। ऐसे में मनरेगा का काम भी बंद हो जाएगा, जिसके चलते मजदूरों की परेशानी बढ़ जाएगी। ज्यादातर ग्राम पंचायतो में जहां गर्मी के दिनों में सुबह से ही श्रमिक काम पर निकल जाते थे। इस बार इस तरह की गतिविधियां ज्यादातर ग्राम पंचायतो में नजर ही नही आ रही है। जांजगीर-चाम्पा जिले के 5 ब्लाक पामगढ, अकलतरा, बलौदा, नवागढ एवं बम्हनीडीह को मिलाकर 336 ग्राम पंचायते आते है। यहां मनरेगा के तहत कार्य को लेकर 2 लाख 89 हजार 546 श्रमिको ने अपना पंजीयन कराया है। इनमें नवागढ ब्लाक में 75 हजार 664 मनरेगा श्रमिक, पामगढ ब्लाक में 65 हजार 711 श्रमिक, अकलतरा ब्लाक में 49 हजार 672 श्रमिक, बम्हनीडीह ब्लाक में 41 हजार 324 श्रमिक एवं बलौदा ब्लाक में 57 हजार 175 मनरेगा श्रमिको ने अपने ग्राम पंचायतों में योजना के तहत काम पाने को लेकर पंजीयन कराया गया है। लेकिन ग्रामीण क्षेत्रो में रहने वाले श्रमिको को काम नही मिल पा रहा है। इसके अलावा मनरेगा के तहत काम करने वाले श्रमिकों का कार्य स्थल पर दो बार उपस्थिति दर्ज की जानी है। कई रोजगार सहायक इस नियम पर ध्यान नहीं दे रहे है।

महीनों बीत जाने के बाद श्रमिकों को नहीं होता भुगतान

मनरेगा के तहत ग्रामीण क्षेत्रों में काम करने वाले मजदूरों को काम करने के बाद समय पर मजदूरी भुगतान को लेकर व्यवस्था बनाई गई है, लेकिन काम करने के कई महीने बीत जाने के बाद भी श्रमिको को राशि का भुगतान समय पर नही हो पाता, जिसके कारण उनके सामने रोजी रोटी का संकट पैदा हो जाता है। पहले जहां मनरेगा श्रमिको को कार्य करने के दौरान एक बार हाजरी लगानी पड़ती थी। वही अब मजदूरों को कार्य में आने के दौरान वही घर वापस जाने के दौरान दो बार हाजिरी भी लगानी पडती है।

पंचायतों में पलायन करने वाले मजदूरों का कोई रिकार्ड नहीं

जिले में लंबे समय से मजदूरों द्वारा पलायन किया जा रहा है। पलायन रोकने के लिए सरकार द्वारा कई तरीके अपनाए जा रहे है। इसके बावजूद पलायन का सिलसिला नहीं थम रहा है। ग्राम पंचायतों में पलायन करने वाले मजदूरों के संबंध में कोई रिकार्ड भी नहीं रखे जाते। मजदूरों को पलायन कराने लेबर सप्लायर गांव-गांव में पहुंचते है। लेबर सप्लायर के साथ ग्रामीण परिवार समेत पलायन करते है। अभी कुछ ही दिनों पूर्व जिले के बलौदा और अकलतरा क्षेत्र के श्रमिकों को तमिलनाडु राज्य के तिरुवल्लूर जिले अंतर्गत देवांद्धकाम ग्राम में कार्य करने के दौरान बंधक बना लिया गया था। वहीं उन्हें उचित मजदूरी भी नहीं दी जा रही थी। मामले की शिकायत प्राप्त होने पर कलेक्टर जन्मेजय महोबे ने तत्काल तमिलनाडु जिला प्रशासन से संपर्क स्थापित कर श्रमिकों को छुड़ाया गया। इसके बाद श्रमिकों को ट्रेन से बिलासपुर लाया गया और यहां से सभी को घर भेजा गया।

दिए हैं दिशा निर्देश

मनरेगा के तहत ग्रामीण क्षेत्र के मजदूरों को गांव में ही कार्य दिया जाना है। इसे लेकर रोजगार सहायकों को निर्देशित किया गया है। कार्य नहीं मिलने को लेकर भी जानकारी लेंगे

-गौरव शुक्ला, प्रभारी, मनरेगा शाखा, जांजगीर-चांपा

गहराया पेयजल संकट, कई वार्डों में टैंकर से पानी सप्लाई शुरू

भीषण गर्मी के चलते गिर रहा शहर का जल स्तर

हरिभूमि न्यूज ⏭ जांजगीर-चांपा

नगर पालिका नल के माध्यम से पानी सप्लाई करने में नाकाम है। सालों से हसदेव जल आवर्धन योजना का काम अधूरा पड़ा है। ऐसे में नगरवासियों को पानी के लिए निजी बोर और हैंडपंप का सहारा होता है। कुछ समय पहले तक नहर में पानी चलने के कारण वाटर लेवल मेंटेन था। अब नगरवासियो को पानी की चिंता सताने लगी है। पड़ी रही भीषण गर्मी के चलते कई वार्डों में टैंकरों के माध्यम से पानी सप्लाई शुरु हो गई है।

एक दशक पहले चाम्पा के हसदेव नदी से पाइप के माध्यम से जांजगीर में पानी लाने 6 करोड़ की लागत से काम किया गया था, लेकिन वह प्रोजेक्ट फेल हो गया। इसके बाद हसदेव जल आवर्धन योजना का काम किया जा रहा है। जांजगीर और चांपा शहर की दूरी महज 9 किलोमीटर है। चांपा के हसदेव नदी से जिला मुख्यालय में पानी लाना है। इस कवायद में एक दशक से अधिक समय गुजर गया है, और सरकार का करोड़ो रुपए खर्च हो चुका है, लेकिन जनता को लाभ नहीं मिल पा रहा है। जिला मुख्यालय जांजगीर में जल आवर्धन योजना के तहत 35 करोड़ की लागत से वर्ष 2017 में काम शुरू किया गया था। ठेकेदार को कार्य पूर्ण करने के लिए तब दो साल का समय दिया गया था। बाद में कई बार एक्सटेंशन दिया गया, लेकिन महज 60 फीसदी ही काम हो सका है। काम में लेटलतिफी के कारण ठेकेदार का टेंडर निरस्त कर अब नए ठेकेदार को काम दिया गया है। जल आवर्धन के प्रोजेक्ट में नगर में दो टंकी बननी है, लेकीन वह अधूरी है। वार्डों में पाइप लाइन विस्तार का काम भी अटका हुआ है। अभी तक इंटेकवेल के पास से लेकर शहर तक पाइपलाइन ही पहुंचा है कुछ वार्डों में इसका विस्तार भी हुआ है, लेकिन बाकी मोहल्लों में पाइप लाइन विस्तार का काम नहीं हो सका है। नगर पालिका परिषद जांजगीर नैला द्वारा घर-घर पानी पहुंचाने के लिए योजना के तहत काम कराया जा रहा है, लेकिन नगरवासियो को यह योजना किसी सपने से कम नजर नहीं आ रहा। पानी की सप्लाई के लिए लोग टकटकी लगाए बैठे हैं। इधर भीषण गर्मी के चलते शहर का जल स्तर लगातार गिरता जा रहा है। जिससे बोर और हैण्डपम्प में पानी की धार कम हो गई है। वर्तमान में जेठ का माह चल रहा है। शहर में पाइप लाइन से पानी सप्लाई की व्यवस्था अभी तक नहीं हो सकी है। जांजगीर शहर 25 वार्ड में बंटा है, और आबादी 50 हजार पार कर गई है। जिला बनने के दो दशक बाद भी जांजगीर शहर में नल से पानी सप्लाई की व्यवस्था नहीं हो सकी है। नगर पालिका क्षेत्र जांजगीर नैला में नल से पानी सप्लाई की व्यवस्था नहीं होने के कारण शहरवासी हैंड पंप, कुंआ और निजी बोर से ही अपने पानी की जरूरत पूरी करते हैं। बाकी दिनों में तो काम चल जाता है, लेकिन गर्मी के मौसम में नगरवासियो को पेयजल की किल्लत का सामना करना पड़ता है। नहर चलने से वाटर लेवल काफी हद तक मेंटेन रहता है।

शहर में टैंकर के माध्यम से पानी पहुंचाते पालिका का अमला।

रेत के अवैध उत्खनन और परिवहन के खिलाफ महिलाओं ने खोला मोर्चा

हरिभूमि न्यूज ⏭ जांजगीर-चांपा

रेत का अवैध उत्खनन एवं परिवहन के चलते ग्रामीणों में आक्रोश पनप रहा है। स्थिति यह है कि इसके कारण गांव की सड़क भी खराब हो रही है वहीं लोगों को राशन लेने के लिए 2 किलोमीटर अतिरिक्त दूरी तय करनी पड़ रही है। मामला नवागढ़ थाना क्षेत्र के ग्राम नवापारा का है। कुछ दिनों बाद बरसात का मौसम शुरू हो जाएगा वहीं ग्राम नवापारा की सड़क यदि समय रहते नहीं सुधर पाई तो बरसात के दिनों में ग्रामीणों को आवागमन करने में काफी दिक्कतों का सामना करना पड़ेगा इसे लेकर ग्रामीण एवं सरपंच अब आंदोलन का रुख तैयार कर रहे हैं। इसे लेकर नवागढ़ थाने में भी जानकारी दी जा चुकी है। ग्रामीण महिला सुमन पटेल, दीपिका, लक्ष्मी बाई, फोटो बाई, ममता रोहिणी, अंशिका साहू समेत अन्य महिलाओं का कहना है कि समय रहते रेत के अवध उत्खनन एवं परिवहन को लेकर कार्यवाही नहीं की गई तो आने वाले दिनों में आंदोलन किया जाएगा।

खास बात

- गांव की सड़क भी हो रही खराब, जिम्मेदार को नहीं कोई सरोकार, आंदोलन की चेतावनी

शिकायत लेकर पहुंची महिलाएं।

की जाएगी कार्यवाही

रेत की अवैध उत्खनन एवं परिवहन मामले को लेकर लगातार कार्यवाही जारी है। इस तरह का मामला फिर सामने आने पर नियमों के तहत कार्यवाही होगी। कुछ दिनों पूर्व कार्रवाई कर वाहन जब्त किया गया था।

-हितेंद्र स्वर्ण पाल, जिला खनिज अधिकारी जांजगीर-चांपा

कराया गया अवगत

ग्राम पंचायत नवापारा में लंबे समय से रेत का अवैध उत्खनन एवं परिवहन किया जा रहा है, जिसके कारण गांव की सड़क खराब हो रही है। इसे लेकर उच्च अधिकारियों को अवगत कराया जा चुका है।

-गनपत साहू, सरपंच ग्राम पंचायत नवापारा विकासखंड नवागढ़

ब्लैकमेलिंग से परेशान युवक ने खाया जहर, महिला राजनांदगांव से गिरफ्तार

हरिभूमि न्यूज ⏭ अकलतरा

निजी फोटो वायरल करने की धमकी देकर युवक से पैसों की मांग करने के मामले में अकलतरा पुलिस ने कार्रवाई करते हुए महिला को राजनांदगांव से गिरफ्तार किया है। पुलिस के अनुसार आरोपी की लगातार ब्लैकमेलिंग से परेशान होकर युवक ने कीटनाशक का सेवन कर लिया था, जिसके बाद उसे गंभीर हालत में अस्पताल में भर्ती कराया गया। इस संबंध में पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार पीड़ित युवक ने शिकायत दर्ज कराई थी कि राजनांदगांव निवासी एक महिला उसे निजी फोटो सार्वजनिक करने की धमकी देकर पैसों की मांग कर रही थी। आरोपी महिला ने कथित रूप से युवक के निजी फोटो उसके तथा उसके परिजनों के मोबाइल नंबरों पर भेजे और पैसे नहीं देने पर सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म इंस्टाग्राम में वायरल करने की चेतावनी दी। जांच में सामने आया कि युवक और महिला एक-दूसरे को पहले से जानते थे। पिछले 12 से 15 दिनों से महिला द्वारा लगातार दबाव बनाया जा रहा था। मानसिक प्रताड़ना और बदनामी के भय से परेशान होकर युवक ने आत्मघाती कदम उठाते हुए कीटनाशक का सेवन कर लिया। युवक पिछले सात दिनों से बिलासपुर के अस्पताल में उपचाररत है, जहां उसकी स्थिति गंभीर बताई जा रही है। प्रकरण में अकलतरा पुलिस ने भारतीय न्याय संहिता की धारा 308(2) एवं आईटी एक्ट की धारा 67 के अंतर्गत मामला दर्ज कर विवेचना शुरू की। तकनीकी साक्ष्यों और व्हाट्सएप चैट के आधार पर पुलिस टीम ने राजनांदगांव पहुंचकर आरोपी महिला को हिरासत में लिया। पूछताछ के दौरान अपराध स्वीकार किए जाने पर उसके कब्जे से मोबाइल फोन जब्त किया गया। गिरफ्तारी के बाद आरोपी को न्यायालय में प्रस्तुत कर न्यायिक रिमांड पर भेज दिया गया है। इस कार्रवाई में थाना प्रभारी निरीक्षक भास्कर शर्मा, उप निरीक्षक विनोद जटवार, प्रशिक्षु उप निरीक्षक दिव्या कुर्रे तथा आरक्षक राजा रात्रे का योगदान रहा।

- निजी फोटो वायरल करने की धमकी देकर मांग रही थी पैसे, अकलतरा पुलिस की त्वरित कार्रवाई

पुलिस के साथ गिरफ्तार महिला।

प्राकृतिक आपदा से बचाव के लिए जिला स्तरीय कंट्रोल रूम स्थापित

जांजगीर-चांपा। अगामी मानसून में प्राकृतिक आपदा से बचाव और राहत व्यवस्था के संबंध में बाढ़ व अतिवृष्टि की स्थिति पर सतत निगरानी रखने तथा सूचना के आदान-प्रदान हेतु जिला स्तरीय बाढ़ नियंत्रण कक्ष की स्थापना कलेक्टर कार्यालय के संवाद कक्ष में की गई है। डिप्टी कलेक्टर एवं प्रभारी अधिकारी बाढ़ राहत शाखा देवेन्द्र कुमार चौधरी को नियंत्रण कक्ष का नोडल अधिकारी नियुक्त किया गया है।

रातभर बैठी रही थाने में, नहीं सुनी फरियाद पीड़िता ने मुख्यमंत्री से सीधे की शिकायत

हरिभूमि न्यूज ⏭ जैजैपुर

सुशासन तिहार के अंतर्गत सक्ती जिले के ठठारी गांव पहुंचे मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय की जनचौपाल में उस वक्त पुलिस का महकमा सकते में आ गया, जब भीड़ से उठी एक महिला ने अपनी पीड़ा बयां की। मुख्यमंत्री से सीधे संवाद करते हुए महिला ने कहा कि वह रातभर सक्ती थाने में बैठी रही, लेकिन उसकी फरियाद किसी ने नहीं सुनी।

गौरतलब है कि मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय का शनिवार 6 जून को सक्ती जिले के जैजैपुर ब्लॉक अंतर्गत ठठारी गांव में आगमन हुआ था। यहां मुख्यमंत्री ने बरगद पेड़ के नीचे चौपाल लगाकर जनता से सीधे संवाद किया। चर्चा के दौरान ग्रामीण मुख्यमंत्री के समक्ष अपनी बातें व मांगें रख रहे थे। इसी बीच भीड़ में से एक महिला उठी और उसने अपनी शिकायत मुख्यमंत्री के समक्ष रखी। महिला ने भरे चौपाल में मुख्यमंत्री से सीधे संवाद करते हुए कहा कि वह विगत रात्रि अपनी शिकायत लेकर सक्ती थाना पहुंची थी। उसने आरोप लगाया कि वहीं के कुछ युवकों ने उसके साथ अभद्र व्यवहार करते हुए छेड़खानी की थी। इसके साथ ही उसके साथ गाली गलौज व मारपीट भी की गई। इससे क्षुब्ध होकर महिला अपनी रिपोर्ट लिखाने रात में ही सक्ती थाना पहुंची थी। वह रात्रि करीब 10 बजे से लेकर सुबह के 4 बजे तक बैठी रही, लेकिन किसी ने उसकी फरियाद नहीं सुनी। इस बीच थाना में सिपाही से लेकर हवलदार और थाना प्रभारी तक आते-जाते रहे। सबके आगे वह अपनी शिकायत दर्ज कराने मिन्नतें करती रही, लेकिन किसी ने उसकी फरियाद नहीं सुनी। ऐसे में वह वहां से निराश होकर लौट गई। मुख्यमंत्री ने इस शिकायत पर गंभीरता से पहल करते हुए पुलिस अधीक्षक को जांच करने के आदेश दिए। उल्लेखनीय है कि इसके पूर्व भी सक्ती थाने में गुम इंसान की शिनाख्ती और उसके संदिग्ध मौत के मामले में कई तरह के आरोप लग चुके है। बहरहाल कारण चाहे जो भी हो, लेकिन भरे चौपाल में मुख्यमंत्री के समक्ष सक्ती थाना प्रभारी और पुलिस की इस शिकायत को लेकर कई तरह की चर्चाएं हो रही है।

आपसी विवाद

महिला का उसके रिश्तेदारों के साथ आपसी विवाद चल रहा है। पहले पक्ष ने महिला के खिलाफ अपनी रिपोर्ट लिखाई है। इस पर वह उनके खिलाफ दुष्कर्म के प्रयास और अन्य आरोपों के साथ रिपोर्ट लिखाने पहुंची थी। विधि सम्मत कार्रवाई की जा रही है। इस बारे में सीएम साहब को भी तत्काल बता दिया गया है।

प्रफुल्ल ठाकुर, एसपी सक्ती

बिना किसी पूर्व सूचना के कभी भी की जा रही कटौती

बिजली की लचर व्यवस्था से लोग परेशान

हरिभूमि न्यूज ⏭ जांजगीर-चांपा

शहर सहित ग्रामीण अंचलों में इन दिनों अघोषित रुप से हो रही बिजली कटौती से ग्रामीण परेशान है। दिन की बात तो अलग रात के समय में भी बिजली गुल होना आम बात हो गया है, जिसके कारण लोगों की दिक्कतें बढ़ गई है। इस समस्या को लेकर जिम्मेदार अफसरों को कोई सरोकार नहीं है।

गौरतलब है कि शहर सहित आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों में इन दिनों बार-बार बिजली की आवाजाही एवं कटौती से लोग परेशान है। दिन में तेज धूप के बीच बिजली गुल होना लोगों के लिए परेशानी का सबब बन गया है। विद्युत मंडल द्वारा बिना किसी पूर्व सूचना के बिजली कटौती की जा रही है। इससे न केवल घरों में रहने वाले लोगों को दिक्कत हो रही है, बल्कि किसानों, छोटे व्यापारियों को भी भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। लोगों का कहना है कि बिजली विभाग द्वारा न तो कोई निश्चित समय तय किया गया है और न ही कटौती की पूर्व सूचना दी जाती है। कई बार तो हल्की बूंदा बांदी एवं मौसम में आए बदलाव के बाद बिजली बंद कर दी जाती है। बिजली गुल रहने के दौरान छोटे बच्चों, बुजुर्गों और मरीजों को विशेष रूप से परेशानी का सामना करना पड़ता है। शहरी क्षेत्र अथवा ग्रामीण हर जगह के लोग बिजली आवाजाही से परेशान हैं। पूरे दिनभर कुछ समय के अंतराल में बिजली की आवाजाही लगी रहती है। आलम यह है कि दिन तो जैसे-तैसे कट जाता है, लेकिन रात होते ही अघोषित बिजली कटौती ग्रामीणों के लिए किसी सजा से कम नहीं साबित हो रही है। एक तरफ जून की झुलसाने वाली गर्मी और दूसरी तरफ बिजली विभाग की अघोषित कटौती। रात के समय बिजली गुल होने से छोटे बच्चे और बुजुर्ग गर्मी से परेशान हो जाते हैं। लोगों का कहना है कि बिजली बंद होने के बाद कब आएगी, इसकी कोई गारंटी नहीं होती। हैरानी की बात यह है कि जब भी बिजली गुल होने का कारण पूछा जाता है, तो जवाब मिलता है मेंनटेनेंस का काम चल रहा है। लोगों का कहना है कि अगर साल भर मेंटेनेंस का काम चलता है, तो गर्मी आते ही लाइनें क्यों जवाब दे जाती हैं, बिना आंधी-तूफान या मौसम खराब हुए भी घंटों बिजली बंद रहना विभाग की उदासीनता को दर्शाता है। लोगों का कहना है कि वे जब अपनी शिकायत लेकर अधिकारियों के पास फोन करते हैं, तो या तो फोन उठता नहीं और अगर उठता है तो गोल-मोल जवाब देकर पल्ला झाड़ लिया जाता है। बिजली की लचर व्यवस्था को लेकर अभी कुछ दिनों पूर्व ही नगरपालिका चांपा के अध्यक्ष, पार्षद एवं नगरवासियों ने विद्युत मंडल कार्यालय पहुंचकर घेराव करते हुए प्रदर्शन किया था। इसी प्रकार चांपा शहर में ही बिजली की समस्या को लेकर भाजयुमो पदाधिकारियों ने बिजली विभाग के अधिकारियों को ज्ञापन सौंपकर बिजली व्यवस्था दुरुस्त करने की मांग की थी।

खबर संक्षेप

भूविस्थापित रोजगार एकता संघ 15 को निकालेगी आक्रोश रैली

कोरबा। छग किसान सभा तथा भूविस्थापित रोजगार एकता संघ के नेतृत्व में छोटे खातेदारों को रोजगार देने, भूविस्थापितों के लंबित रोजगार प्रकरणों के निराकरण, जमीन वापसी, पट्टा, आंशिक अधिग्रहण पर रोक लगाने, पेयजल की व्यवस्था करने, बसावट एवं खनन प्रभावित गांवों की अन्य समस्याओं को लेकर 15 जून को जन आक्रोश रैली निकालकर कलेक्ट्रेट घेराव की घोषणा की है। जिला प्रशासन को रैली और प्रदर्शन के संबंध में ज्ञापन भी सौंपा गया है। जिला प्रशासन से भी कई बार हस्तक्षेप कर समस्याओं के समाधान की मांग की गई लेकिन प्रशासन ने समस्याओं को गंभीरता से नहीं लिया इस लिए विस्थापितों ने किसान सभा के नेतृत्व में अब आर की लड़ाई लड़ने का मन बना लिया है। आंदोलन को सफल बनाने के लिए गांव गांव में बैठक कर पर्चे वितरण के साथ भूविस्थापितों को एकजुट भी किया जा रहा है और किसान सभा ने आंदोलन को सफल बनाने के लिए पोस्टर भी जारी किया है। कलेक्ट्रेट घेराव और जन आक्रोश रैली को लेकर भूविस्थापितों के साथ आम जनता का भी व्यापक जन समर्थन मिल रहा है। कलेक्ट्रेट घेराव को सफल बनाने के लिए 8 से 14 जून तक गांव गांव में नुक्कड़ सभा, घर घर पर्चे वितरण एवं भूविस्थापितों को एकजुट करने के लिए विशेष अभियान चलाने का भी निर्णय लिया गया है।

पुलिस ने 26 वारंटियों को गिरफ्तार कर भेजा जेल

कोरबा। जिले में कानून-व्यवस्था को सुदृढ़ बनाए रखने, अपराधों पर प्रभावी नियंत्रण स्थापित करने तथा अवैध गतिविधियों पर अंकुश लगाने के उद्देश्य से पुलिस अधीक्षक के निर्देश में जिले के तीनों अनुभागों के अनुभागीय अधिकारियों एवं समस्त थाना, चौकी प्रभारियों को त्वरित एवं प्रभावी कार्रवाई के लिए निर्देशित किया गया। इसी कड़ी में सजग कोरबा, सतर्क कोरबा अभियान के अंतर्गत स्थायी वारंट एवं गिरफ्तारी वारंटों की तामिली के लिए विशेष अभियान चलाया गया। पुलिस द्वारा सघन दबिश देकर लंबे समय से फरार चल रहे वारंटियों को गिरफ्तार किया गया। अभियान के दौरान 5 स्थायी वारंटी एवं 21 गिरफ्तारी वारंटी तामील किए गए। इस प्रकार कुल 26 वारंटियों के विरुद्ध वैधानिक कार्रवाई की गई। सभी आरोपियों को न्यायालय में पेश किया गया।

निदेशक ने कोरबा क्षेत्र में माइन क्लोजर कार्यों का किया निरीक्षण

कोरबा। एसईसीएल के निदेशक (मानव संसाधन) बिरंची दास ने कोरबा क्षेत्र अंतर्गत बांकी मेन माइंस 9 व 10, बांकी 9 व 10, बांकी के 7 व 8, सुराकछार के 5 व 6 तथा एएचक्यू का दौरा कर माइन क्लोजर से संबंधित कार्यों का निरीक्षण किया। दौरे के दौरान उन्होंने माइन क्लोजर गतिविधियों की प्रगति, भूमि पुनर्वास, हरित विकास, सुरक्षा प्रबंधन एवं पर्यावरणीय पुनर्स्थापन कार्यों की जानकारी प्राप्त की। उन्होंने संबंधित अधिकारियों से माइन क्लोजर योजना के विभिन्न पहलुओं की विस्तृत जानकारी ली तथा कार्यों को निर्धारित मानकों के अनुरूप गुणवत्तापूर्ण ढंग से संपादित करने पर बल दिया। श्री दास ने माइन क्लोजर को पर्यावरण संरक्षण एवं सतत विकास की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल बताते हुए कहा कि खदानों के बंद होने के पश्चात भूमि पुनर्वास, हरित विकास तथा सुरक्षित एवं संतुलित पर्यावरण का निर्माण अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने इन कार्यों को निर्धारित मानकों के अनुरूप गुणवत्तापूर्ण ढंग से संपादित करने पर बल दिया। उन्होंने अधिकारियों को माइन क्लोजर कार्यों को निर्धारित समयसीमा में पूर्ण करने तथा सुरक्षा एवं पर्यावरणीय मानकों का विशेष ध्यान रखने के निर्देश दिए। इस अवसर पर कोरबा क्षेत्र के महाप्रबंधक, विभागाध्यक्ष एवं अन्य वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे।

अब द बुल एण्ड द मेटाडोर, धर्मचक्र, थॉट कॉर्नर सेल्फी प्वाइंट बढ़ाएंगे शहर की सुंदरता

नगर निगम की पहल से शहर का बढ़ेगा सौंदर्य

हरिभूमि न्यूज ⏭ कोरबा

अलग खबर

खास बातें

- उद्योग मंत्री ने आईटीआई व कोसाबाड़ी में स्थापित विशिष्ट प्रतीकों का किया लोकार्पण

निगम आयुक्त के द्वारा शहर सौदंर्यीकरण की दिशा में लगातार कार्य किये जा रहे हैं, जिसके लिये मैं उन्हें साधुवाद देता हूं। न्यू अग्रवाल चौक में द बुल एण्ड द मेटाडोर की अत्यंत सुंदर मूर्ति स्थापित की गई है, जो अनुपयोग लौह सामग्री व अनुपयोगी आटो मोटर पार्टस का उपयोग कर बनाई गई है, इसको बनाने वाले कलाकार को भी मैं साधुवाद देता हूं। इसी प्रकार आईटीआई चौक में थॉट कॉर्नर, शास्त्री चौक में धर्मचक्र की स्थापना एवं वहाँ का सौदंर्यीकरण भी अत्यंत प्रशंसनीय है।

उक्त बातें श्रम व उद्योग मंत्री लखनलाल देवांगन ने शहर के सौदंर्यीकरण के लिये विभिन्न चौक-चौराहों में नवस्थापित विशिष्ट प्रतीकों का लोकार्पण कार्यक्रम के दौरान कही। नगर निगम द्वारा उद्योग मंत्री लखनलाल देवांगन, महापौर श्रीमती संजूदेवी राजपूत के मार्गदर्शन एवं कलेक्टर कुणाल दुदावत व आयुक्त आशुतोष पाण्डेय के दिशा निर्देशन में थीम आधारित शहर सौदंर्यीकरण के कार्य अनवरत रूप से किये जा रहे हैं। निगम द्वारा सुनालिया चौक दर्री रोड बाईपास मार्ग पर स्थित न्यू अग्रवाल चौक में द बुल एण्ड द मेटाडोर की लगभग डेढ़ टन वजनी प्रतिमाएं स्थापित कराई गई हैं, यह प्रतिमाएं वेस्ट टू वन्डर का उत्कृष्ट उदाहरण है, ये मनमोहक प्रतिमाएं अनुपयोगी आटो मोर्टस पाटर्स व अन्य आयरन वेस्ट का उपयोग कर निर्मित की गई हैं। द बुल एण्ड द मेटाडोर जहाँ एक ओर कोरबा के स्टेशन पावर को उजागर करता है, वहीं इस स्टेशन को कंट्रोल करने के हुनर का भी प्रदर्शन करता है। द बुल एण्ड द मेटाडोर मूल रूप से स्टेशन का एक प्रसिद्ध खेल है, जो बुल फाइटिंग का एक हिस्सा है। इसी तरह आईटीआई तानसेन चौक से व्हीआईपी रोड पर निगम के मुख्य प्रशासनिक भवन साकेत के बगल में निगम द्वारा बनाये गये गोल्डन आफ द वर्ल्ड रिकार्ड के सर्टिफिकेट को एक बड़े पोस्टर के रूप में स्थापित कर वहाँ पर सेल्फी प्वाइंट बनाया गया है, स्थल पर सुविचार लेखन हेतु पट्टिका स्थापित कर उसे थॉट कॉर्नर का स्वरूप दिया गया है। इसके साथ ही कोसाबाड़ी चौक शास्त्री चौक में भगवान बुद्ध के सिद्धांतों के प्रतीक धर्मचक्र कर स्थापना भी निगम द्वारा कराई गई है। इसी तरह शहर में नवनिर्मित मल्टीलेवल पार्किंग के समीप एक और ईव्हीचार्जिंग स्टेशन स्थापित कराया गया है, जिसका लोकार्पण उद्योग मंत्री श्री देवांगन के करकमलों से सम्पन्न किया गया।

मामला पोड़ी उपरोड़ा विकासखंड के ग्राम पंचायत पाथा का

ग्राम सभा में पंचों ने उठाया पानी टंकी के अहाता निर्माण में गड़बड़ी का मुद्दा

हरिभूमि न्यूज ⏭ कोरबा

जल जीवन मिशन के तहत ग्रामीण क्षेत्रों में हर घर तक स्वच्छ पेयजल पहुंचाने के उद्देश्य से करोड़ों रुपये खर्च किए जा रहे हैं। इसमें निर्माण को लेकर सवाल खड़े हो रहे हैं। पर्यावरण दिवस पर पोड़ी उपरोड़ा विकासखंड के ग्राम पाथा में आयोजित ग्रामसभा में पानी टंकी के अहाता निर्माण का मुद्दा पंचों एवं ग्रामीणों ने

खास बात

- पंचों ने लगया घटिया निर्माण का आरोप

ऐसा ही मामला पोड़ी उपरोड़ा क्षेत्र की ग्राम पंचायत पाथा में सामने आया है, जहां आयोजित ग्रामसभा में नल-जल योजना के तहत किए जा रहे निर्माण कार्यों में कथित अनियमितता और भ्रष्टाचार का मुद्दा प्रमुखता से उठा। ग्रामसभा में जनपद सदस्य अंजू भोला गोस्वामी, सरपंच सुखसय मांझवार, उपसरपंच, पंचों सहित बड़ी संख्या में ग्रामीण मौजूद थे। बैठक के दौरान ग्रामीणों ने जल जीवन मिशन के अंतर्गत निर्मित पानी टंकी परिसर में बनाए जा रहे अहाता (बाउंड्रीवाल) की गुणवत्ता पर गंभीर सवाल उठाए।

अहाता जिसकी गुणवत्ता पर उठा है सवाल।

ग्रामीणों का कहना था कि निर्माण कार्य में मानकों की अनदेखी की जा रही है, जिसके कारण थोड़ी सी बारिश में ही दीवारों और नींव की स्थिति कमजोर पड़ती दिखाई देने लगी है। ग्रामीणों द्वारा उपलब्ध कराए गए फोटो और वीडियो में भी निर्माण की गुणवत्ता को लेकर सवाल खड़े होते नजर आ रहे हैं। तस्वीरों में स्पष्ट दिखाई दे रहा है कि अहाता निर्माण में उपयोग की गई सामग्री और निर्माण तकनीक अपेक्षित स्तर की नहीं है। बारिश के बीच निर्माण स्थल की स्थिति और अधिक चिंताजनक बन गई है। ग्रामीणों का कहना है कि यदि समय रहते जांच और सुधार नहीं किया गया तो भविष्य में बड़ा हादसा होने से इनकार नहीं किया जा सकता। ग्रामसभा में मौजूद लोगों ने यह भी आरोप लगाया कि निर्माण कार्य की निगरानी करने वाले अधिकारियों और तकनीकी अमले की भूमिका भी संदेह के घेरे में है।

अंजू भोला गोस्वामी ने ग्रामसभा में कहा कि यह कोई नया मामला नहीं है। उन्होंने बताया कि निर्माण कार्य में गड़बड़ी की शिकायत पहले भी संबंधित विभाग को की जा चुकी है, लेकिन शिकायतों के बावजूद जिम्मेदार अधिकारियों ने कोई प्रभावी कदम नहीं उठाया। उनका कहना था कि विभागीय उदासीनता के कारण ही ठेकेदारों के हौसले बुलंद हैं और निर्माण कार्यों में मनमानी जारी है। उन्होंने यह भी याद दिलाया कि इससे पहले भी पोड़ी उपरोड़ा क्षेत्र में नल-जल योजना के तहत निर्मित एक पानी टंकी का अहाता धंसकर गिर चुका है। ग्रामसभा में उठे इस मुद्दे के बाद अब लोगों की निगाहें विभागीय कार्रवाई पर टिकी हैं। ग्रामीणों ने मांग की है कि निर्माण कार्य की स्वतंत्र तकनीकी जांच कराई जाए, दोषी ठेकेदारों और जिम्मेदार अधिकारियों पर कार्रवाई हो तथा गुणवत्ताहीन निर्माण को तत्काल दुरुस्त कराया जाए। अन्यथा जल जीवन मिशन जैसी जनहितकारी योजना भ्रष्टाचार और लापरवाही की भेंट चढ़ती नजर आएगी।

खनिज उड़नदस्ता दल का 15 संदिग्ध स्थानों पर छापा, 14 वाहन किए जब्त

जब्त वाहन।

हरिभूमि न्यूज ⏭ कोरबा

कलेक्टर कुणाल दुदावत के निर्देश तथा उप संचालक, खनिज प्रशासन के मार्गदर्शन में जिले में गौण खनिजों के अवैध उत्खनन एवं परिवहन के विरुद्ध 6 जून को विशेष जांच अभियान चलाया गया। अभियान के तहत गठित दो खनिज उड़नदस्ता दलों ने जिले के विभिन्न क्षेत्रों में सघन निरीक्षण कर अवैध खनन गतिविधियों पर बड़ी कार्यवाही की।

जांच के दौरान सीतामणी, कपाटमुडा, सुराकछार, नरईबोध, रैंकी, कुदुरमाल, बरमपुर, बांकीमोंगरा, सुमेधा, कुमगरी, घनाकछार, कटघोरा, कछार, दर्री, धवईंपुर क्षेत्रों में अवैध खनिज परिवहन एवं उत्खनन की जांच की गई। जिस दौरान कपाटमुडा, नरईबोध, रैंकी, कुदुरमाल, सुराकछार, दर्री, बांकीमोंगरा तथा अन्य क्षेत्रों में अवैध उत्खनन तथा परिवहन करते पाए गए 1 चौन माउंटेन सहित 9 ट्रैक्टर, 2 हाइवा, 2 टीपर शामिल हैं। जब्त वाहनों को नियमानुसार कार्रवाई हेतु कुसमुंडा थाना, हरदीबाजार थाना, दर्री थाना, बांकीमोगरा थाना, खनिज जांच नाका उरगा में अभिरक्षा में रखा गया है। खनिज विभाग ने स्पष्ट किया है कि इस अभियान का मुख्य उद्देश्य जिले में अवैध खनन पर प्रभावी नियंत्रण स्थापित करना, प्राकृतिक संसाधनों की सुरक्षा सुनिश्चित करना तथा शासकीय राजस्व की हानि को रोकना है। अवैध उत्खनन एवं परिवहन में संलिप्त व्यक्तियों के विरुद्ध छत्तीसगढ़ गौण खनिज नियमों और अन्य वैधानिक प्रावधानों के तहत कार्यवाही की जा रही है। विभाग ने चेतावनी दी है कि जिले में अवैध खनन और परिवहन के विरुद्ध अभियान लगातार जारी रहेगा तथा नियमों का उल्लंघन करने वालों पर कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

एसईसीएल के कोयला स्टॉक में तीसरे दिन भी धधकती रही आग

फाइल फोटो

हरिभूमि न्यूज ⏭ कोरबा

एसईसीएल कुसमुंडा खदान के 29 नंबर कोयला स्टॉक में गुरुवार को लगी भीषण आग शुक्रवार को भी पूरी तरह नहीं बुझ सकी। कोयले के विशाल भंडार में आग लगातार धधक रही है, जिससे एसईसीएल को नुकसान होने की आशंका जताई जा रही है। आग पर काबू पाने के लिए एसईसीएल के टैंकर वाहनों की मदद से लगातार पानी का छिड़काव किया जा रहा है। वहीं आग प्रभावित क्षेत्र में डोजर चलाकर कोयले को अलग-अलग करने का कार्य भी किया जा रहा है। डोजर के आग की चपेट में आने की आशंका को देखते हुए उस पर भी पानी का लगातार छिड़काव किया जा रहा है।

खास बात

- आग पर काबू पाने जुटी रही टीम, इधर खतरे के बीच चलाया जा रहा डोजर

स्थानीय स्तर पर सुरक्षा मानकों की अनदेखी के आरोप भी सामने आए हैं। जान जोखिम में डालकर आग लगे कोयले के बीच डोजर के संचालन किए जाने को लेकर सवाल उठ रहे हैं। हालांकि आग लगने की सूचना मिलते ही संबंधित विभाग के अधिकारी और कर्मचारी मौके पर पहुंच गए थे और आग बुझाने के प्रयास जारी है। बताया जा रहा है कि बरसात से पहले एसईसीएल द्वारा बड़े पैमाने पर कोयले का स्टॉक तैयार किया जा रहा है। भीषण गर्मी के कारण आग लगने की आशंका जताई जा रही है। बता दें कि खदान क्षेत्र में हर दो-तीन दिन के अंतराल में आग लगने की घटनाएं सामने आ रही हैं, जिससे सुरक्षा व्यवस्था और कोयला भंडारण की प्रक्रिया पर भी सवाल खड़े हो रहे हैं। फिलहाल आग पर पूरी तरह काबू नहीं पाया जा सका है और राहत कार्य लगातार जारी है।

चिर्रा में जनसमस्या निवारण शिविर का हुआ आयोजन

कोरबा। सुशासन तिहार के अंतर्गत जनपद पंचायत के ग्राम पंचायत चिर्रा में जनसमस्या निवारण शिविर का आयोजन किया गया। यह जनपद कोरबा क्षेत्र में आयोजित शिविरों की श्रृंखला का अंतिम शिविर रहा, जिसमें बड़ी संख्या में ग्रामीणों ने भाग लेकर अपनी मांगें का आवेदन प्रस्तुत किए। जनपद पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी खगेश निर्मलकर ने बताया कि प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण) के तहत जिले के जनपद पंचायत अंतर्गत 7 हजार से अधिक आवास स्वीकृत किए जा चुके हैं। वहीं आवास प्लस 2.0 के तहत नए आवेदनों का जियो-टैगिंग कार्य पूरा कर लिया गया है। उन्होंने कहा कि अब आवास की राशि सीधे हितग्राहियों के बैंक खातों में डीबीटी के माध्यम से भेजी जाएगी। साथ ही वर्ष 2025-26 में स्वीकृत आवासों को तीन माह के भीतर पूर्ण करने वाले हितग्राहियों को मनरेगा मजदूरी का लाभ भी समय पर मिलेगा। पेंशन योजनाओं की जानकारी देते हुए पात्र हितग्राहियों को आवेदन करने की अपील की गई।

पुराने व नए बस स्टैंड टैक्सी यूनियन के पदाधिकारी व चालकों की बैठक

हरिभूमि न्यूज ⏭ कोरबा

पुलिस अधीक्षक कार्यालय में शनिवार को पुराना बस स्टैंड टैक्सी यूनियन एवं नया बस स्टैंड टैक्सी यूनियन के पदाधिकारियों एवं वाहन चालकों की बैठक आयोजित की गई। बैठक का उद्देश्य टैक्सी, कैब एवं अन्य यात्री वाहन चालकों को उनकी व्यक्तिगत सुरक्षा के प्रति जागरूक एवं संवेदनशील बनाना था। बैठक में पुलिस अधिकारियों द्वारा वाहन चालकों को वर्तमान समय में घटित हो रही लूट, मारपीट, धोखाधड़ी एवं अन्य आपराधिक घटनाओं के संबंध में जानकारी देते हुए आवश्यक सुरक्षा उपाय अपनाने की सलाह दी गई।

खास बात

- अज्ञात बुकिंग एवं यांत्रियों से जुड़े सुरक्षा उपायों को दी गई जानकारी

चालकों को बताया गया कि किसी भी अज्ञात व्यक्ति द्वारा वाहन बुक कराए जाने की स्थिति में उसकी पहचान सुनिश्चित करना आवश्यक है। इसके लिए यात्री से आधार कार्ड, ड्राइविंग लाइसेंस अथवा अन्य पहचान पत्र की प्रति व्हाट्सएप के माध्यम से प्राप्त करने, वाहन में बैठाने से पूर्व उसका स्पष्ट फोटो लेकर अपने परिजनों अथवा विश्वसनीय परिचितों को भेजने तथा यात्रा के दौरान मोबाइल का जीपीएस चालू रखते हुए अपनी लाइव लोकेशन साझा करने की सलाह दी गई।

टैक्सी यूनियन के पदाधिकारियों की बैठक लेते पुलिस अधिकारी।

इसके अतिरिक्त रात्रिकालीन यात्रा के दौरान विशेष सतर्कता बरतने, सुनसान अथवा निर्जन स्थानों पर वाहन रोकने से बचने, वाहन में पर्याप्त चार्ज वाला मोबाइल रखने तथा किसी भी संदिग्ध गतिविधि की सूचना तत्काल डायल 112 अथवा निकटतम पुलिस थाना को देने के संबंध में विस्तार से जानकारी प्रदान की गई। इस अवसर पर कोरबा पुलिस द्वारा तैयार किए गए सुरक्षा संबंधी जागरूकता पोस्टर एवं एडवाइजरी का वितरण भी किया गया, ताकि अधिक से अधिक वाहन चालकों तक सुरक्षा संबंधी महत्वपूर्ण जानकारी पहुंचाई जा सके। कोरबा पुलिस द्वारा सभी टैक्सी, कैब एवं यात्री वाहन चालकों से अपील की गई है कि वे सुरक्षा संबंधी इन सावधानियों का पालन करें तथा किसी भी संदिग्ध गतिविधि अथवा व्यक्ति की जानकारी तत्काल पुलिस को दें।

न्यायालय तहसीलदार पामगढ़, जिला - जांजगीर चांपा (छ.ग.)
// ईश्तहार //

रा.प्र.क्र. /अ-6-अ/25-26
ग्राम डोगाकोहरौद प.ह.नं०-09
तहसील पामगढ़ जिला जांजगीर-चांपा (छ.ग.)

एतद् द्वारा समस्त ग्रामवासियों को सूचित किया जाता है कि आवेदक हरनारायण पिता रामाधार जाति कुर्मी साकिन डोगाकोहरौद तहसील पामगढ़ जिला जांजगीर चांपा छ.ग. के द्वारा धारा 115 के तहत आवेदन पत्र प्रस्तुत किया गया है कि ग्राम डोगाकोहरौद में स्थित भूमि खसरा नंबर 1084 / 1 रकबा 0.158 हे. भूमि स्थित है जिसे आवेदक एवं सहखातेदार लक्ष्मीप्रसाद के द्वारा सन 2007 में पंजीकृत बैनामा के आधार पर रघुनंदन पिता रघ्घन से खसरा नंबर 1084 में से रकबा 0.40 एकड़ भूमि क्रय किया था। उक्त भूमि को खरीदी के बाद विधिवत हल्का पटवारी से नामांतरण क्रमांक 130 प्रस्ताव क्रमांक 12 बैठक दिनांक 25.08.2007 के अनुसार नामांतरण पंजी में दर्ज हुआ है जिसके उपरांत भी अनावेदक क्रमांक 2 एवं 03 के नाम से ऑनलाईन में त्रुटिवश दर्ज है। हल्का पटवारी द्वारा रिकार्ड दुरूस्त करने से अनदेखा करते हुए छोड़ दिया गया है जिससे खरीदी बैनामा के आधार पर उक्त भूमि खसरा नंबर 1084 / 1 को क्रेता के नाम से ऑनलाईन रिकार्ड दुरुस्त किये जाने हेतु आवेदन पत्र प्रस्तुत किया गया हैं।

उक्त आवेदन के संबंध में किसी व्यक्ति को किसी प्रकार की आपत्ति हो तो वह लिखित रूप से दिनांक 16.06.26 के भीतर अधोहस्ताक्षरकर्ता के न्यायालय में प्रस्तुत कर सकता है। निर्धारित तिथि के बाद प्राप्त आपत्तियों पर कोई विचार नहीं किया जावेगा।

यह ईश्तहार आज दिनांक 05.06.26को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालय के सील मुद्रा से जारी किया गया है।

तहसीलदार
पामगढ़
जिला - जांजगीर चांपा (छ.ग.)

ठोस अपशिष्ट प्रबंधन पर नगर पंचायत ने अध्ययन भ्रमण का किया आयोजन

शहर से निकलने वाले सूखे व गीले कचरे निपटान के बारे में दी गई जानकारी

हरिभूमि न्यूज ⏭ खरौद

स्वच्छ भारत मिशन-शहरी 2.0 और ठोस अपशिष्ट प्रबंधन नियम के प्रभावी क्रियान्वयन के तहत नगर पंचायत खरोद द्वारा विशेष एक्सपोजर विजिट (अध्ययन भ्रमण) का आयोजन किया गया। इस दौरान कचरा प्रबंधन को और अधिक प्रभावी बनाने तथा 4-स्ट्रीम कचरा पृथक्करण को वार्ड स्तर पर कड़ाई से लागू करने की कार्ययोजना पर चर्चा की गई।

नगर पंचायत क्षेत्र के अंतर्गत कचरे के स्रोत पर पृथक्करण को बढ़ावा देने के लिए जन-जागरूकता लाने हेतु निर्वाचित जनप्रतिनिधियों को 'लीड फैसिलिटेटर्स' के रूप में नामांकित किया गया है। इसी क्रम में 6 जून को इन सभी लीड फैसिलिटेटर्स के लिए खरोद निकाय के अंतर्गत स्थित ठोस अपशिष्ट प्रबंधन सुविधाओं का एक विशेष अध्ययन भ्रमण आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम में मुख्य रूप से नगर अध्यक्ष मुख्य नगरपालिका अधिकारी, पंचायत के पार्षदगण, नगर पंचायत के विभिन्न विभागों के अधिकारी-कर्मचारी एवं शहर को स्वच्छ बनाने में अग्रिम भूमिका निभाने वाली स्वच्छता दीदियां विशेष रूप से उपस्थित रहीं।

अधिकारियों ने सभी उपस्थित जनप्रतिनिधियों को प्लांट की तकनीकी कार्यप्रणाली के बारे में विस्तार से जानकारी दी। इस विजिट का मुख्य उद्देश्य जनप्रतिनिधियों और टीम को कचरा प्रबंधन की संपूर्ण मूल्य श्रृंखला और उपलब्ध अधोसंरचना की जमीनी हकीकत और कार्यप्रणाली से रूबरू कराना था। लीड फैसिलिटेटर्स को शहर से निकलने वाले सूखे, गीले और हानिकारक कचरे के प्रसंस्करण और उसके सही निपटान की तकनीकों के बारे में विस्तार से जानकारी दी गई। नगर पंचायत के मुख्य नगर पालिका अधिकारी ने बताया कि इस एक्सपोजर विजिट से प्रशिक्षण प्राप्त करने के बाद, अब ये 'लीड फैसिलिटेटर्स' स्वच्छता दीदियों और अधिकारियों की टीम के साथ मिलकर 7 जून से 12 जून तक चलने वाले आगामी चरणों में वार्डों के भीतर घर-घर जाकर नागरिकों को जागरूक करेंगे।

जाँजगीर मार्केट

फनीचर, इमारती, सेंट्रींग लकड़ी थोक में
लकड़ी सेंट्रींग प्लाई, बल्ली बांस, चेहली, राफ्टर, बेड़ी, दरवाजे, चौखट, खिड़की, तखत, टेबल, दीवान, पलंग, आलमारी, सोफासेट, ड्रेसिंग, कुलर, स्टेडी टेबल, अन्य आधुनिक फर्नीचर कम दर में प्राप्त करें।
डीलर: अग्नि शामक यंत्र फायर सेफ्टी के विक्रेता।
विशेष: सेन्ट्रींग की लकड़ी फर्मा किराये में उपलब्ध।
शंकर सिंघानिया: मो.9302362173
आदित्य सिंघानिया: मो. 6260115021
नेताजी चौक, लिंक रोड, जांजगीर

प्रवेश प्रारंभ
YASH ITI Lachhanpur Champa
N.C.V.T. and D.G.E.T.
दिल्ली एवं छ.ग. शासन से मान्यता प्राप्त कोर्स
ENGINEERING COURSE
1. Electrician 10TH PASSED 2 Year Course
2. Fitter 10TH PASSED 2 Year Course
3. Welder 10TH PASSED 1 Year Course
4. Diesel Mechanic 10TH PASSED 1 Year Course
NON- ENGINEERING COURSE
1. COPA - 10TH PASSED 1 Year Course
2. Health Senatory Inspector-10TH PASSED 1 Year Course
3. Steno Grapher (Hindi)-10TH PASSED 1 Year Course
संपर्क- यश आई.टी.आई.
सांई मंदिर के पास लछनपुर (चांपा), जिला-जांजगीर-चांपा (छ.ग.)
मो. 88719-11141, 97533-79677

DR. ABHIMANYU'S
AYURVEDA MULTISPECIALITY HOSPITAL
PAIN | PANCHKARMA | PILES | PEDIA | GYNAE | SKIN
छत्तीसगढ़ का प्रथम 20 बिस्तरीय हॉस्पिटल जो की पूर्ण रूप से आयुर्वेदिक उपचार को समर्पित
सेक्टर -7 कमल विहार, रायपुर (छ.ग.) 95224-66664, 62622-22003
सिटी सेन्टर - कृष्णा टॉकीज के सामने, समता कॉलोनी रायपुर (छ.ग.) 9826446666

समस्त रोगों का आयुर्वेदिक पद्धति द्वारा इलाज
• हड्डी एवं जोड़ों का दर्द • नसों का रोग
• त्वचा एवं बालों का रोग • स्त्री रोग • मानसिक रोग
• मूत्र संबंधी रोग • मधुमेह (डायबिटीज़) • नेत्र रोग
• किडनी संबंधी रोग • पेट संबंधी विकार • थायराइड
• अस्थमा • मोटापा • मांसपेशी का रोग
• मल द्वार रोग विशेषज्ञ
प्रदेश के समस्त शासकीय अधिकारी/कर्मचारी एवं उनके परिवार के आश्रित सदस्यों के उपचार उपरांत प्रतिपूर्ति (MEDICAL REIMBURSEMENTS) हेतु छ.ग. शासन से मान्यता प्राप्त

पेड्डी' विवाद: बुची बाबू सना ने मांगी माफी

हैदराबाद । राम चरण और जान्हवी कपूर की फिल्म 'पेड्डी' को रिलीज हुए दो दिन हो चुके हैं। इस बीच फिल्म विवादों के घेरे में भी घिर गई है। फिल्म में जान्हवी कपूर के किरदार और कुछ रोमांटिक सीन्स को लेकर जमकर आलोचना हो रही है। ऐसे में फिल्म के डायरेक्टर बुची बाबू सना ने इस विवाद पर सफाई देते हुए माफी मांग ली है। डायरेक्टर ने सोशल मीडिया प्लटफॉर्म एक्स पर पोस्ट करते हुए कहा कि सिनेमा का काम दर्शकों का मनोरंजन करना, उन्हें प्रेरित करना और उनसे जुड़ना है। इससे किसी को असहज या बेइज्जती महसूस नहीं होनी चाहिए।

लाइफ Style

शरवरी

भाषाएं करती हैं मुझे आकर्षित

एजेंसी ▸▸ मुंबई

बॉलीवुड अभिनेत्री शरवरी वाघ इन दिनों अपनी आगामी फिल्म 'मैं वापस आऊंगा' को लेकर चर्चाओं में हैं। इस फिल्म में उन्हें एक ऐसी महिला का किरदार निभाने का मौका मिला, जो उनकी अपनी सांस्कृतिक पृष्ठभूमि से काफी अलग है, जिसके चलते उन्हें नई भाषा और संस्कृति को समझना पड़ा।

शरवरी वाघ ने कहा,'घर में मैं मराठी भाषा बोलती हूं और मेरी परवरिश पूरी तरह मराठी संस्कृति के बीच हुई है। ऐसे में एक पंजाबी महिला का किरदार निभाना मेरे लिए एक नया और दिलचस्प अनुभव था। शरवरी ने कहा, भाषाएं हमेशा से मुझे आकर्षित करती रही हैं। मेरा मानना है कि भारत जैसे देश में कलाकारों के लिए सीखने और समझने के अवसर कभी खत्म नहीं होते। यहां इतनी सारी भाषाएं और संस्कृतियां हैं कि हर नया किरदार किसी नई दुनिया का दरवाजा खोल देता है। एक अभिनेता के लिए सिर्फ डायलॉग बोलना ही काफी नहीं होता, बल्कि उस भाषा की भावना, उसके लहजे और उससे जुड़ी संस्कृति को समझना भी जरूरी होता है। शरवरी ने कहा, भले ही मैं नई भाषाएं सीखने को लेकर उत्साहित रहती हूं, लेकिन मेरी मातृभाषा मराठी आज भी मेरे दिल के सबसे करीब है। जब भी मुझे किसी सीन के लिए भावनात्मक रूप से खुद को तैयार करना होता है या किसी खास एहसास से जुड़ना होता है, तो मैं अक्सर मराठी गाने सुनती हूं। मराठी भाषा के शब्द मेरे दिल को सबसे गहराई से छूते हैं। शरवरी ने कहा, अपनी जड़ों से जुड़ा रहना और साथ ही नई चीजें सीखना, दोनों ही जरूरी हैं।

हॉलीवुड मसाला

अमीर म्यूजिशियन में हुईं शुमार

लॉस एंजेलिस। टेलर स्विफ्ट दुनिया की सबसे अमीर म्यूजिशियन की लिस्ट में शुमार हो गई हैं। फोर्ब्स की एक रिपोर्ट के मुताबिक, सिंगर की नेटवर्थ 2 अरब डॉलर से अधिक हो गई है। इसी नेटवर्थ के साथ वह संगीत की दुनिया की सबसे अमीर महिला बन गई हैं। उन्हें ये कामयाबी उनके म्यूजिक टूर से हुई जबरदस्त कमाई और अपने गानों की ओनरशिप को वापस लेने के लिए उठाए गए उनके समझदारी भरे कदम से मिली है। इन आंकड़ों के साथ टेलर स्विफ्ट को अरबपति का दर्जा मिल गया है।

जेनिफर ने तोड़ी अफवाहों पर चुप्पी

लॉस एंजेलिस। जेनिफर लोपेज इस वक्त सिंगल हैं। हालांकि, कुछ फैंस ने कयास लगाए हैं कि जेनिफर ने अपनी फिल्म 'ऑफिस रोमांस' के को-स्टार के साथ रियल लाइफ में रोमांस शुरू कर दिया है। हालांकि, इन अफवाहों पर खुद ही चुप्पी तोड़ी है। बता दें कि लोपेज और 45 साल के गोल्डस्टीन इन दिनों नेटफ्लिक्स रोमांटिक कॉमेडी 'ऑफिस रोमांस' में लीड रोल में नजर आ रहे हैं। इसी प्रोजेक्ट को लेकर अपने प्रमोशनल टूर के दौरान कपल की जबरदस्त केमिस्ट्री नजर आई और इसी के साथ उनके रिश्ते को लेकर भी अटकलें लगने लगीं। लोपेज ने अपनी डेटिंग की अफवाहों पर साफ-साफ बात की। उन्होंने कहा, 'ऐसा कभी नहीं होता कि जब मुझे किसी के साथ देखें या किसी के साथ काम करते हुए देखा जाए तो लोग मुझे उस व्यक्ति के साथ न जोड़ें।

'बेबी डू डाई डू' का टीजर रिलीज...

मुंबई। हुमा कुरैशी की नई फिल्म 'बेबी डू डाई डू' का टीजर रिलीज कर दिया गया है, जिसमें एक्ट्रेस का अवतार चौंकाने वाला है। फैंस क्रेजी हो गए हैं और वो तारीफ करते नहीं थक रहे हैं। टीजर की शुरुआत कॉमिक स्टाइल में होती है और यह काफी इंगेजिंग है। हुमा कुरैशी इसमें एक किलर के रोल में नजर आ रही हैं और उनका अंदाज एकदम बेखौफ और धाकड़ है। इसमें हुमा कुरैशी एक हिटवुमन के रोल में हैं। टीजर में दिखाया गया है कि मुंबई में लगातार हत्याएं हो रही हैं, पर कातिल कौन है, इसका किसी को कुछ पता नहीं है। मीडिया से लेकर पुलिस खोजबीन कर रही है, पर कातिल का कहीं कोई सुराग नहीं। फिर पता चलता है कि कातिल एक महिला है, जो बोल-सुन नहीं सकती है और वो हैं हुमा कुरैशी फिल्म को नचिकेत सामंत ने डायरेक्ट किया है।

बॉबी की फिल्म 'बंदर' पड़ी फीकी...

मुंबई। सिनेमाघरों में जब दो फिल्में एक ही दिन रिलीज हो तो बॉक्स ऑफिस कलेक्शन की तुलना अक्सर की जाती है। इसी तरह 5 जून को रिलीज हुईं दो फिल्में, अनुराग कश्यप की 'बंदर' और डेविड धवन की 'है जवानी तो इश्क होना है।' दोनों ही फिल्मों की शैली एक दूसरे से बिल्कुल अलग है। इसके बावजूद फिल्मों को उनकी ऑडियंस मिली और फिल्मों को पसंद किया गया। फिल्म की रिलीज के पहले दिन इनकी कमाई का बात करें तो 'बंदर' थोड़ी फीकी पड़ती दिखाई दे रही है। कलेक्शन के मामले में 'है जवानी तो इश्क होना है' फिल्म ने बंदर को पीछे छोड़ दिया है। रिपोर्ट के मुताबिक, डेविड धवन के निर्देशन में बनी 'है जवानी तो इश्क होना है' फिल्म 9081 शोज में चली, जिससे फिल्म का पहले दिन का नेट कलेक्शन 7.50 करोड़ रुपए रहा।

टीवी मसाला

एकता ने स्मृति पर लुटाया प्यार..

मुंबई। अभिनेत्री स्मृति ईरानी और टेलीविजन की महारानी एकता कपूर ने एक बार फिर अपने प्रशंसकों को दो दशकों से अधिक पुरानी अपनी अटूट दोस्ती की झलक दिखाई है। एकता कपूर ने अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर स्मृति की साझा की गई एक पोस्ट को रीशेयर किया, जिसमें स्मृति ने एकता को उनके नए व्यवसाय के लिए शुभकामनाएं दीं। स्मृति के प्यार के लिए धन्यवाद देते हुए एकता ने कहा कि स्मृति का साथ उनके लिए गर्व की बात है। अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर एकता ने लिखा, मेरी तुलसी, तुम्हारा साथ मेरे लिए बहुत गर्व की बात है। साथ में उन्होंने दिल वाले इमोजी भी लगाए। स्मृति ने अपने सोशल मीडिया पोस्ट में लिखा, आप हमेशा से ही चमकती रही हैं, एकता कपूर और आज आपने दूसरों को भी अपनी चमक बिखेरने का मौका दिया... एक और सफलता के लिए बधाई। एकता ने स्मृति को मशहूर सीरियल 'क्योंकि सास भी कभी बहू थी' में उनके किरदार के नाम से संबोधित किया। इस शो की बात करें तो इसका निर्माण बालाजी टेलीफिल्म्स ने किया था और इसका प्रीमियर 2000 में हुआ था। 'क्योंकि सास भी कभी बहू थी' शो जुलाई 2000 में पहले सीजन के रिलीज होने के 25 साल बाद अगस्त 2025 में इसका दूसरा सीजन शुरू हुआ। स्मृति ईरानी तुलसी का किरदार निभा रही हैं और अमर उपाध्याय एक बार फिर मिहिर की भूमिका में नजर आ रहे हैं।

शिल्पा का विवादित पोस्ट, कहा- 'हमेशा बोलने को तैयार, जो उखाड़ना है उखाड़ लो

मुंबई। अंगूरी भाभी के किरदार से घर घर में पहचान बनाने वाली एक्ट्रेस शिल्पा शिंदे इन दिनों काफी सुर्खियों में हैं। साल 2017 में उन्होंने 'भाभी जी घर पर हैं' के प्रोड्यूसर पर यौन उत्पीड़न का इल्जाम लगाया था। अब हाल ही में भारती सिंह के पॉडकास्ट पर उन्होंने कबूला कि वो इल्जाम झूठा था। ये बात सामने आते ही कई लोगों के रिएक्शन इस पर देखने मिले। सोशल मीडिया यूजर्स से लेकर एक्ट्रेस हिना खान ने भी शिल्पा शिंदे के खिलाफ अपना रिएक्शन दिया। शिल्पा शिंदे की जमकर ट्रोलिंग शुरु हो गई। ऐसे में शिल्पा ने अपने सोशल मीडिया पर एक वीडियो पोस्ट किया जिस पर लिखा था- 'हमेशा बोलने को तैयार, जो उखाड़ना है उखाड़ लो।' साथ ही बिना किसी का नाम लिए कैप्शन में लिखा- 'जलने वालों जलते रहो अपना खून किसी जरूरतमंद को मत दो, जला जलाकर खत्म कर दो।' शिल्पा शिंदे ने पॉडकास्ट में बताया कि साल 2016 में जब उन्होंने 'भाभी जी घर पर है' शो छोड़ा, तब उनका मेकर्स के साथ कॉन्ट्रेक्ट को लेकर विवाद चल रहा था। अपने पैसे लेने के लिए एक्ट्रेस मजबूर हो गईं थीं इसलिए उन्होंने प्रोड्यूसर पर यौन उत्पीड़न का झूठा इल्जाम लगाया। बाद में उन्होंने मेकर्स के साथ सेटलमेंट कर ली थी। हैरानी की बात ये है कि एक्ट्रेस ने सालों तक इस बात छिपाकर रखा और करीब 9 साल बाद इस बात खुलासा किया।

दीया : करियर के शिखर पर लिया ब्रेक

मुंबई। अभिनेत्री दीया मिर्जा ने हाल ही में अपने जीवन के ऐसे दौर को याद किया, जब वह कॅरियर की ऊंचाइयों पर होने के बावजूद अंदर से खुद को अधूरा महसूस कर रही थीं। दीया ने बताया कि केवल 24 साल की उम्र में उन्होंने दो साल के लिए काम से दूरी बनाने का फैसला किया था। दीया ने कहा, मैंने जीवन का एक बड़ा हिस्सा मॉडलिंग और अभिनय की दुनिया में बिताया, लेकिन एक समय ऐसा आया, जब मुझे अपने काम और अपने विचारों के बीच अंतर महसूस होने लगा। उन्होंने कहा, यह ब्रेक मेरे लिए सिर्फ काम से दूरी बनाने का समय नहीं था, बल्कि खुद को फिर से समझने और पहचानने की यात्रा थी। यह अपने घर लौटने जैसा अनुभव था। इस समय ने मेरी यह समझने में मदद की कि जीवन में केवल नाम, पैसा और लोकप्रियता ही सबकुछ नहीं है। असली खुशी तब मिलती है, जब इंसान अपने काम, विचारों और उद्देश्य के साथ जुड़ाव महसूस करे।

कॉकटेल में अपने रोल को लेकर डरी हुई थीं रश्मिका

मुंबई। फिल्म पुष्पा की श्रीवल्ली और एनिमल की गीतांजलि जैसी भूमिकाओं से बिल्कुल अलग अभिनेत्री रश्मिका मंदाना आगामी फिल्म कॉकटेल 2 में एक ग्लैमरस और बिंदास लड़की दीया की भूमिका में नजर आएंगी। कॉकटेल में 'दीया' का रोल स्वीकार करने से पहले रश्मिका के मन में भी कई सवाल थे। इस बारे में रश्मिका कहती हैं, मैं बहुत डरी हुई थी, क्योंकि मैंने अब तक जितनी फिल्में की हैं, उनमें से इसमें मेरा लुक अब तक का सबसे ज्यादा ग्लैमरस और बिंदास है। इससे पहले कि मेरी जिस तरह की फिल्में रही हैं, उनको ध्यान में रखकर मैंने सोचा कि दर्शकों को मुझसे कुछ गंभीर या ड्रामेटिक परफार्मेंस की उम्मीद होगी। इसमें मैंने पहली बार ऐसा कुछ हल्का-फुल्का, प्यार, दोस्ती और पागलपन पर आधारित काम किया है। रश्मिका ने कहा, शुरू में मेरे मन में भी यह सवाल था कि क्या इस फिल्म के साथ आगे बढ़ना सही निर्णय होगा।

थिएटर में चीखने-चिल्लाने की आवाजें, रिकॉर्ड तोड़ रही 'ऑब्सेशन'

लॉस एंजेलिस। बीते कुछ सालों में रोमांस से भरपूर फिल्मों की बजाय हॉरर फिल्मों ने इंडस्ट्री में अपना दबदबा बना लिया है। हॉरर फिल्मों में भी लोगों को सिर्फ भूत प्रेत की कहानी पसंद नहीं आती बल्कि लोगों को हॉरर फिल्मों में दमदार स्टोरी के साथ ही इमोशनल और मेंटल स्ट्रेस से भरपूर फिल्मों में मजा आता है। हॉरर फिल्मों का क्रेज लोगों के मन में इतना ज्यादा बढ़ गया है कि लोग इसे बेहतर साउंड इफेक्ट्स के साथ थिएटर्स में देखना पसंद करते हैं। तो अगर आपको हॉरर फिल्में देखने का शौक है तो हम आपको एक ऐसी फिल्म के बारे में बताने जा रहे हैं, जिसने पूरी दुनिया में धमाल मचा दिया है।

सिर्फ 9 करोड़ में बनी फिल्म, कमा डाले 1400 करोड़

फिल्म की कहानी

यह कहानी बेयर की है, जो एक अकेला और रोमांटिक लड़का है और एक म्यूजिक स्टोर में काम करता है। वह बचपन से ही अपनी दोस्त और साथ काम करने वाली निक्की से चुपके-चुपके प्यार करता है। अपने दिल की बात कहने की एक और नाकाम कोशिश के बाद, बेयर एक क्रिस्टल की दुकान पर जाता है और 'वन विश विलो' नाम की एक अजीब चीज खरीदता है। वह एक विश मांगता है कि निक्की उसे दुनिया में किसी भी और इंसान से ज्यादा प्यार करे। उसकी यह विश काफी खतरनाक तरीके से पूरी होती है। निक्की की फीलिंग्स बेकाबू, जुनून भरी हो जाती है। उसका प्यार घुटन भरा हो जाता है। वह बेयर से दूर नहीं रह पाती। जब बेयर उससे दूर जाता है तो वह घबरा जाती है, और जैसे-जैसे उसका प्यार एक जुनून में बदलता है, वह बेहद डरावना बर्ताव करने लगती है।

'ऑब्सेशन' की स्टोरी ने उड़ाए होश : हम बात कर रहे हैं साल 2026 में आई धमाकेदार फिल्म ऑब्सेशन की जिसकी स्टोरी ने लोगों को होश उड़ा दिए हैं और इस फिल्म को देखकर लोग डर के मारे थर-थर कांप रहे हैं। फिल्म के अंदर कुछ ऐसे सीन डाले गए हैं, जिनके अचानक सामने आते ही किसी की भी चीख निकल जाएगी।

'ऑब्सेशन' का इंटरनेशनल बॉक्स ऑफिस पर शानदार प्रदर्शन

29 मई को रिलीज हुई फिल्म 'ऑब्सेशन' के बारे में 9 से 10 करोड़ रुपए में बनी ये हॉरर फिल्म फैन्स के बीच चर्चा का विषय बनी हुई है। दुनिया भर में इस फिल्म ने 10 करोड़ डॉलर का आंकड़ा पार कर लिया है, जिससे यह इस साल की सबसे ज्यादा कमाने वाली फिल्मों में से एक बन गई है। भारत में भी, 'ऑब्सेशन' सिनेमाघरों में काफी अच्छा परफॉर्म कर रही है। 'ऑब्सेशन' इंटरनेशनल बॉक्स ऑफिस पर भी शानदार प्रदर्शन कर रही है। रिपोर्ट्स के मुताबिक, फिल्म की दुनिया भर में कुल कमाई करीब 1400 करोड़ रुपए (162 मिलियन डॉलर) हो गई है।

खबर संक्षेप

विशिष्ट सेवा सम्मान से डॉ. बोधीराम साहू हुए सम्मानित

जांजगीर-चांपा। महिला पतंजलि योग समिति छत्तीसगढ़ के तत्वाधान में अग्रसेन भवन नैला में आयोजित राज्यस्तरीय कार्यशाला में डॉ.बोधीराम साहू को विशिष्ट सेवा सम्मान से स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया गया। यह सम्मान मंचस्थ अतिथि सुश्री जया मिश्रा पतंजलि महिला राज्य प्रभारी छत्तीसगढ़, श्रीमती गंगा अग्रवाल सह राज्यप्रभारी, श्रीमती हेमलता साहू, श्रीमती ममता साहू, श्रीमती मान कोरम राज्य कार्यकारिणी सदस्य, श्रीमती मनीषा गोपाल जिला महिला प्रभारी जांजगीर चाम्पा, डॉ. श्रीमती चमेली साहू जिला महामंत्री सहित मंचस्थ अतिथियों के हाथों प्राप्त हुआ। यह सम्मान इनके विशेष सेवा भावी कार्यो पर प्रदान किया गया है। महनीय शोध कार्य, सुदीर्घ हिंदी सेवा,योग कार्यशाला में सेवा पर उक्त सम्मान से अलंकृत किया गया है। ज्ञात हो कि ये इसके अलावा राज्य,राष्ट्रीय,अंतर्राष्ट्रीय स्तर के लगभग 325 से भी अधिक सम्मानों से विभूषित हो चुके है। इनके सम्मानित होने पर बसंत चतुर्वेदी, डा.राघवेंद्र राठौर, सत्येंद्र सिंह, रामचंद्र गोपाल, विजय प्रधान, जे. सी. साहू, दिलीप साहू, केशव साहू,रामरतन साहू,राधेश्याम कंवर ने प्रसन्नता जाहिर की है।

पर्यावरण संरक्षण का अनूठा संकल्प : 10 वर्षों में रोपे 200 से अधिक पौधा

गोधना। विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर नवागढ़ विकासखंड अंतर्गत ग्राम पंचायत कामता में पर्यावरण संरक्षण का प्रेरणादायी संदेश देखने को मिला। ग्राम कामता निवासी पुष्पा चौहान और उनके पिता मुकेश कुमार चौहान ने हर वर्ष की परंपरा को निभाते हुए इस वर्ष भी पीपल एवं नीम के पौधे लगाकर पर्यावरण संरक्षण का संकल्प दोहराया। पुष्पा चौहान और उनके पिता पिछले 10 वर्षों से लगातार पौधरोपण कर लोगों को पर्यावरण के प्रति जागरूक करने का कार्य कर रहे हैं। दोनों ने मिलकर अब तक 200 से अधिक पौधे विभिन्न स्थानों पर रोपे हैं। इनमें पीपल, नीम सहित अन्य छायादार और पर्यावरण के लिए उपयोगी वृक्ष शामिल हैं। उनके द्वारा लगाए गए कई पौधे आज बड़े पेड़ों का रूप ले चुके हैं, जो लोगों को शुद्ध हवा और छाया प्रदान कर रहे हैं। पुष्पा चौहान ने कहा कि वर्तमान समय में बढ़ते प्रदूषण और लगातार घटते हरित क्षेत्र को देखते हुए प्रत्येक व्यक्ति को कम से कम एक पौधा अवश्य लगाना चाहिए। उन्होंने कहा कि केवल पौधे लगाना ही पर्याप्त नहीं है, बल्कि उनकी नियमित देखभाल और संरक्षण भी उतना ही जरूरी है।मुकेश कुमार चौहान ने बताया कि पर्यावरण संरक्षण केवल एक दिन का अभियान नहीं, बल्कि निरंतर चलने वाली जिम्मेदारी है। इसी सोच के साथ वे पिछले एक दशक से पौधरोपण कर रहे हैं और लोगों को भी इस अभियान से जुड़ने के लिए प्रेरित करते हैं। ग्रामीणों ने पुष्पा चौहान और मुकेश कुमार चौहान के इस प्रयास की सराहना करते हुए इसे समाज के लिए प्रेरणास्त्रोत बताया। ग्रामीणों का कहना है कि ऐसे सकारात्मक प्रयासों से पर्यावरण संरक्षण के प्रति लोगों में जागरूकता बढ़ती है और हरियाली को बढ़ावा मिलता है।

जुटे प्रदेशभर के जनपद पंचायत अध्यक्ष-उपाध्यक्ष, संगठन मजबूती पर दिया जोर

जैजैपुर। प्रदेश स्तरीय जनपद पंचायत अध्यक्ष एवं उपाध्यक्ष संघ छत्तीसगढ़ की महत्वपूर्ण बैठक रायपुर स्थित विमतारा सभागार में आयोजित की गई। बैठक में प्रदेशभर से बड़ी संख्या में जनपद पंचायत अध्यक्ष एवं उपाध्यक्ष शामिल हुए। इस दौरान जनपद पंचायतों के संचालन एवं विकास कार्यों में आ रही विभिन्न समस्याओं और चुनौतियों पर विस्तारपूर्वक चर्चा की गई। बैठक में उपस्थित जनप्रतिनिधियों ने जनपद पंचायतों के अधिकारों, विकास कार्यों की स्वीकृति, वित्तीय प्रबंधन, प्रशासनिक समन्वय तथा ग्रामीण क्षेत्रों में विकास योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन से जुड़े मुद्दों को प्रमुखता से उठाया। विभिन्न जिलों से आए अध्यक्ष एवं उपाध्यक्षों ने अपने-अपने क्षेत्रों की समस्याओं एवं सुझावों को साझा करते हुए उनके निराकरण के लिए सामूहिक प्रयासों की आवश्यकता पर बल दिया। बैठक में निर्णय लिया गया कि आगामी दिनों में प्रदेश स्तरीय जनपद पंचायत अध्यक्ष, उपाध्यक्ष एवं सभी जनपद पंचायत सदस्यों का सम्मेलन आयोजित किया जाएगा। सम्मेलन के माध्यम से पंचायत प्रतिनिधियों की समस्याओं, अधिकारों तथा जनहित से जुड़े मुद्दों को एक साझा मंच पर रखने की रणनीति पर भी चर्चा की गई। बैठक में यह भी निर्णय लिया गया कि जनपद पंचायत अध्यक्ष, उपाध्यक्ष एवं सदस्यों के हितों की रक्षा तथा उनके संवैधानिक अधिकारों को मजबूत बनाने के लिए संगठन स्तर पर आवश्यक पहल की जाएगी। इसके अलावा पंचायत प्रतिनिधियों के प्रशिक्षण, विकास योजनाओं के बेहतर क्रियान्वयन तथा शासन-प्रशासन के साथ समन्वय बढ़ाने संबंधी कई प्रस्तावों पर भी सहमति बनी। बैठक में उपस्थित जनप्रतिनिधियों ने संगठन को और अधिक मजबूत बनाने तथा पंचायत राज व्यवस्था को सशक्त करने के लिए एकजुट होकर कार्य करने का संकल्प लिया।

बिजली कटौती से परेशान ग्रामीणों ने सुशासन तिहार में केरा सब स्टेशन से हटाकर खरौद सब स्टेशन से जोड़ने की मांग

खरौद सब स्टेशन निर्माण कार्य में लेटलतीफी सामग्री और भुगतान नहीं होने से अटका काम

हरिभूमि न्यूज ▶▶ जांजगीर-चांपा

आधा अधूरा बना सब स्टेशन।

क्षेत्रवासियों को बेहतर विद्युत सुविधा उपलब्ध कराने के उद्देश्य से खरौद में पिछले वर्ष शुरू किया गया विद्युत सब स्टेशन निर्माण कार्य अब तक पूरा नहीं हो सका है। निर्माण कार्य में लगातार हो रही देरी के पीछे आवश्यक तकनीकी सामग्री की कमी, मजदूरों के भुगतान में विलंब तथा निर्माण सामग्री की अपर्याप्त उपलब्धता प्रमुख कारण बताए जा रहे हैं। इसके चलते न केवल निर्माण कार्य की गति प्रभावित हुई है, बल्कि क्षेत्र के लोगों में भी नाराजगी बढ़ती जा रही है।

निर्माण स्थल पर कार्यरत सुपरवाइजर के अनुसार सब स्टेशन में लगने वाली महत्वपूर्ण तकनीकी सामग्री, विशेष रूप से सीटी-पीटी (करंट ट्रांसफार्मर एवं पोटेंशियल ट्रांसफार्मर) की उपलब्धता नहीं हो पाने के कारण कई आवश्यक कार्य लंबित हैं। तकनीकी उपकरणों की कमी के चलते परियोजना को निर्धारित समय सीमा में पूरा करना चुनौतीपूर्ण बन गया है।वहीं दूसरी ओर भवन निर्माण कार्य में लगे मजदूरों ने समय पर भुगतान नहीं मिलने का आरोप लगाया है। मजदूरों का कहना है कि कई दिनों से मेहनताना नहीं मिलने के कारण उन्हें आर्थिक परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। भुगतान में देरी से श्रमिकों में असंतोष बढ़ रहा है, जिसका असर कार्य की प्रगति पर भी दिखाई दे रहा है। सब स्टेशन परिसर में वर्तमान में सीसी सड़क निर्माण का कार्य चल रहा है, लेकिन यहां भी निर्माण सामग्री की कमी बाधा बन रही है। कार्य का जिम्मा संभाल रहे ठेकेदार राजकुमार केंवट ने बताया कि उनके पास केवल 20 एमएम गिट्टी उपलब्ध थी, जबकि कार्य को आगे बढ़ाने के लिए 40 एमएम गिट्टी की भी आवश्यकता है। पर्याप्त मात्रा में निर्माण सामग्री उपलब्ध नहीं होने के कारण काम को बीच-बीच में रोकना पड़ रहा है। ठेकेदार ने यह भी बताया कि उच्च स्तर से भुगतान राशि प्राप्त नहीं होने के कारण वे स्वयं भी परेशानी का सामना कर रहे हैं। भुगतान अटकने का सीधा असर मजदूरों के वेतन और निर्माण कार्य की गति पर पड़ रहा है। उन्होंने कहा कि यदि यही स्थिति बनी रही तो इस माह के भीतर सब स्टेशन का निर्माण पूरा होना संभव नहीं होगा। निर्माण एजेंसी से जुड़े लोगों का कहना है कि यदि आवश्यक तकनीकी सामग्री और निर्माण सामग्री समय पर उपलब्ध करा दी जाए तथा लंबित भुगतान जारी कर दिया जाए, तो लगभग तीन सप्ताह के भीतर सब स्टेशन के शेष सभी कार्य पूरे किए जा सकते हैं। इसके लिए संबंधित विभाग और जिम्मेदार अधिकारियों को शीघ्र पहल करने की आवश्यकता है।ग्रामीणों ने निर्माण में तेजी लाने की उठाई मांगइधर आदर्श ग्राम गोधना के निवासी जगन्नाथ यादव सहित क्षेत्र के लोगों ने खरौद सब स्टेशन के निर्माण कार्य को शीघ्र पूरा कराने की मांग की है। ग्रामीणों का कहना है कि सब स्टेशन शुरू होने से क्षेत्र की बिजली व्यवस्था में सुधार होगा और बार-बार होने वाली कटौती से राहत मिलेगी। ग्राम कचंदा में आयोजित सुशासन तिहार कार्यक्रम के दौरान भी ग्रामीणों ने गोधना सहित आसपास के चार-पांच गांवों को केरा सब स्टेशन से हटाकर खरौद सब स्टेशन से जोड़ने की मांग प्रशासन के समक्ष रखी। ग्रामीणों का मानना है कि इससे विद्युत आपूर्ति अधिक सुचारू होगी तथा बिजली संबंधी समस्याओं का स्थायी समाधान मिल सकेगा।क्षेत्रवासियों की बढ़ी उम्मीदेंखरौद सब स्टेशन परियोजना को क्षेत्र की महत्वपूर्ण विद्युत परियोजनाओं में माना जा रहा है। इसके पूर्ण होने से गोधना, कुकदा, बोरदा, बेल्हा, रिंगनी, खरौद, लोहर्सी, देवरी, खोरसी सहित आसपास के कई गांवों को बेहतर और निर्बाध बिजली आपूर्ति मिलने की उम्मीद है। हालांकि निर्माण कार्य में लगातार हो रही देरी से लोगों की अपेक्षाओं को झटका लग रहा है। अब क्षेत्रवासियों की नजर विभागीय अधिकारियों पर टिकी है कि वे कब तक बाधाओं को दूर कर परियोजना को पूरा कराते हैं।

राहवीर योजना से जुड़ने ग्रामीणों को किया प्रेरित

हरिभूमि न्यूज ▶▶ नवागढ़

नवागढ़ विकासखंड के अंतर्गत आदर्श ग्राम गोधना में राहवीर योजना के संबंध में जन जागरूकता अभियान चलाया गया। इस दौरान नवागढ़ थाना की पुलिस टीम ने ग्रामीणों को सड़क दुर्घटनाओं में घायलों की मदद के लिए शासन द्वारा संचालित योजना की जानकारी दी।

कार्यक्रम में एएसआई रामकृष्ण आदित्य ने बताया कि यदि कोई व्यक्ति सड़क दुर्घटना में घायल व्यक्ति को समय पर अस्पताल पहुंचाकर उसकी जान बचाने में सहयोग करता है, तो उसे छत्तीसगढ़ शासन की ओर से 25 हजार रुपये की प्रोत्साहन राशि प्रदान की जाएगी। उन्होंने कहा कि दुर्घटना पीड़ितों की मदद करने वाले लोगों को पुलिस कार्रवाई या कानूनी प्रक्रिया से घबराने की आवश्यकता नहीं है। उन्होंने ग्रामीणों से अपील करते हुए कहा कि सड़क दुर्घटना की स्थिति में मानवता का परिचय देते हुए घायलों को तत्काल अस्पताल पहुंचाने में सहयोग करें, जिससे उनकी जान बचाई जा सके। सहायता करने वाले व्यक्तियों को पुलिस विभाग की ओर से प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित भी किया जाएगा। जन जागरूकता अभियान के दौरान बैनर के माध्यम से राहवीर योजना की जानकारी प्रदर्शित कर ग्रामीणों को जागरूक किया गया। ग्रामीणों ने भी योजना की जानकारी को उपयोगी बताते हुए दुर्घटना पीड़ितों की मदद के लिए आगे आने का संकल्प लिया।

खास बात

- घायल को अस्पताल पहुंचाने पर मिलेंगे 25 हजार रुपये, पुलिस ने दी जानकारी

योजना का उद्देश्य :- योजना का उद्देश्य गंभीर रूप से घायल व्यक्तियों को दुर्घटना के एक घंटे के भीतर अस्पताल पहुंचाना है, जिसे गोल्डन ऑवर कहा जाता है। इस दौरान घायलों को समय पर चिकित्सकीय सहायता मिल जाए तो उनकी जान बचाई जा सकती है। जो भी व्यक्ति तत्परता से घायलों को अस्पताल या ट्रॉमा सेंटर पहुंचाता है, उसे राह-वीर की उपाधि दी जाएगी और 25 हजार रुपए की नगद प्रोत्साहन राशि एवं प्रशस्ति-पत्र से सम्मानित किया जाएगा। इतना ही नहीं, पूरे राज्य से चयनित राह-वीरों में से 10 सबसे योग्य राह-वीरों को राष्ट्रीय स्तर पर एक-एक लाख रुपए का पुरस्कार भी प्रदान किया जाएगा।

साईकिल चलाकर दैनिक शारीरिक गतिविधियों के महत्व के बारे में आमजन को किया जागरूक

हरिभूमि न्यूज ▶▶ जांजगीर-चांपा

विश्व साईकिल दिवस के अवसर पर रविवार 7 जून को 11वीं वाहिनी छसबल पुटपुरा में सेनानी विमल कुमार बैस के मार्गदर्शन में रविवार को साइकिल पर कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के दौरान इकाई में उपस्थित सहायक सेनानी ए. पी.एस. टोप्पो, सूबेदार मेजर पीसी अनूप सिंह, हवलदार मेजर प्रधान आरक्षक पंकज साहू तथा सभी जवानों द्वारा "संडे ऑन साइकिल अभियान के तहत "फिटनेस का डोज, आधा घंटा रोज" के नारे के साथ साईकिल चलाकर दैनिक शारीरिक गतिविधियों के महत्व के बारे में आम जन को जागरूक किया गया। फिट इंडिया मूवमेंट की शुरूआत वर्ष 2019 में प्रधानमंत्री द्वारा किया गया था। इसी क्रम में रविवार को साइकिल पर अभियान के रूप में एक राष्ट्रव्यापी काग्रक्रम बन गया है।

रासायनिक पदार्थों के अत्यधिक उपयोग से धरती और मानव दोनों हो रहे प्रभावित

हरिभूमि न्यूज ▶▶ अकलतरा

- पर्यावरण संरक्षण एवं जागरूकता विषयक कार्यक्रम आयोजित

पौधे वितरण कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिलाती ब्रह्माकुमारी शशिप्रभा।

विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर प्रभु अनुराग भवन, कोटमीसुनार में पर्यावरण संरक्षण एवं जागरूकता विषयक भव्य कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में राजयोग शिक्षिका ने प्रकृति संरक्षण का संदेश देते हुए सभी को पर्यावरण के प्रति जिम्मेदार बनने का आह्वान किया।

कार्यक्रम का शुभारंभ राजयोग मेडिटेशन से हुआ, जिसमें उपस्थित लोगों ने प्रकृति के पांच तत्वों—पृथ्वी, जल, अग्नि, वायु और आकाश—से मानव द्वारा पहुंचाए गए नुकसान के लिए सामूहिक क्षमा याचना की तथा सकारात्मक संकल्पों के माध्यम से श्रेष्ठ प्रकंपन प्रदान किए। अपने संबोधन में ब्रह्माकुमारी शशिप्रभा ने कहा कि रासायनिक पदार्थों के अत्यधिक उपयोग से धरती और मानव स्वास्थ्य दोनों प्रभावित हो रहे हैं। उन्होंने किसानों से शाश्वत यौगिक खेती अपनाने की अपील की। कार्यक्रम में बच्चों द्वारा पर्यावरण संरक्षण पर आधारित आकर्षक सांस्कृतिक प्रस्तुतियां दी गईं। नैना एवं जमुना ने स्वागत नृत्य प्रस्तुत किया, जबकि रीना और जागृति ने "सुनो प्रकृति की पुकार" गीत पर नृत्य के माध्यम से पर्यावरण बचाने का संदेश दिया। अंचल, रोशनी, विनीता, दामिनी और नैना ने "मत काटो मुझे दुखता है" एक्शन सॉन्ग प्रस्तुत कर वृक्षों की कटाई से होने वाली हानि को प्रभावशाली ढंग से दर्शाया। इस अवसर पर 12वीं बोर्ड परीक्षा में 91.8 प्रतिशत अंक प्राप्त कर क्षेत्र का नाम रोशन करने वाले छात्र का भी सम्मान किया गया। अमन ने अपनी सफलता का श्रेय राजयोग मेडिटेशन, आत्मविश्वास और लक्ष्य के प्रति समर्पण को दिया। कार्यक्रम के अंत में पर्यावरण संरक्षण का संकल्प दिलाते हुए आम, कटहल सहित विभिन्न फलदार एवं छायादार पौधों का वितरण किया गया। कार्यक्रम का संचालन एवं आभार प्रदर्शन टीकाराम कैवर्त्य ने किया। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में ग्राम वासी उपस्थित हुए।

बैठक में सामाजिक विकास एवं संगठनात्मक सुदृढ़ीकरण पर चर्चा

पामगढ़। ठेठवार यादव समाज धनिया राज के अंतर्गत ग्राम खैरा, जयरामनगर में 7 जून को बरतोरी राज, लवन राज एवं धनिया राज की संयुक्त बैठक का आयोजन किया गया। बैठक में तीनों राजके राज प्रमुख, अध्यक्ष, सचिव, कोषाध्यक्ष, उपाध्यक्ष, ठेंगहा सहित बड़ी संख्या में समाज के वरिष्ठजन, पदाधिकारी उपस्थित रहे। बैठक के दौरान समाज की विभिन्न समस्याओं एवं प्राप्त आवेदनों पर विस्तारपूर्वक चर्चा की गई। उपस्थित समाजबंधुओं ने समाजहित के विषयों पर अपने सुझाव एवं विचार प्रस्तुत किए। साथ ही सामाजिक एकता, संगठन की मजबूती तथा समाज के सर्वांगीण विकास से जुड़े मुद्दों पर गंभीर विचार-विमर्श किया गया। बैठक में इस बात पर विशेष जोर दिया गया कि समाज की वास्तविक शक्ति उसकी एकता, अनुशासन, पारस्परिक सहयोग एवं संगठनात्मक मजबूती में निहित है। समाज के प्रत्येक सदस्य को अपने सामाजिक दायित्वों के प्रति जागरूक रहकर संगठन को सशक्त बनाने में सक्रिय भूमिका निभाने का आह्वान किया गया। बैठक में युवाओं की सक्रिय भागीदारी विशेष रूप से देखने को मिली। युवाओं ने शिक्षा, सामाजिक जागरूकता, संगठनात्मक विकास तथा समाज की भावी योजनाओं को लेकर अपने विचार रखे। वक्ताओं ने कहा कि समाज का उज्ज्वल भविष्य युवाओं की सकारात्मक सोच, गुणवत्तापूर्ण शिक्षा एवं सामाजिक सहभागिता पर निर्भर करता है। युवा वर्ग समाज की अमूल्य धरोहर है, जिसे संगठन की मुख्यधारा से जोड़ना समय की आवश्यकता है।

बैठक में उपस्थित समाज के लोग।

गुरु सहसराम देव जयंती पर तीन दिवसीय मेला 10 से

जांजगीर-चांपा। सहसराम देव की 174 वीं जयंती पर तीन दिवसीय मेला का आयोजन 10 से 12 जून तक सूर्यांश धाम खोखरा (जांजगीर) में आयोजित किया गया है। तीन दिवसीय मेला के प्रथम दिवस बुधवार 10 जून को शुभारंभ के पश्चात गुरू वंदना, चौका आरती और सांस्कृतिक कार्यक्रमों के साथ कवि सम्मेलन का आयोजन किया गया है। द्वितीय दिवस 11 जून गुरुवार को प्रातः काल में विभिन्न प्रकार के खेल स्पर्धाओं का आयोजन के पश्चात विद्यार्थियों के लिए सामान्य ज्ञान प्रतियोगिता का आयोजन के साथ रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन किया गया है।

अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद की नवीन नगर कार्यकारिणी घोषित

हरिभूमि न्यूज ▶▶ जांजगीर-चांपा

- विजय निराला नगर अध्यक्ष एवं अनुराग त्रिपाठी को सौंपा गया नगर मंत्री का दायित्व

विश्व के सबसे बड़े छात्र संगठन अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद की जांजगीर नगर इकाई की नवीन कार्यकारिणी की घोषणा की गई। परिषद के संगठनात्मक विस्तार, छात्रहित एवं राष्ट्रनिर्माण के उद्देश्यों को गति प्रदान करने हेतु विभिन्न दायित्वों पर कार्यकर्ताओं की नियुक्ति की गई। जिसमें मुख्य रूप से अमित गौरहा जिला कार्यवाह (राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ), नील सागर यादव नगर कार्यवाह, प्रदेश सहमंत्री आयुष शर्मा (अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद) एवं जिला संयोजक उदय पाण्डेय की उपस्थिति में नगर कार्यकारिणी की घोषणा की गई।

घोषित कार्यकारिणी में विजय निराला को नगर अध्यक्ष तथा अनुराग त्रिपाठी को नगर मंत्री का दायित्व सौंपा गया है। वहीं आर्यन सिंह, रितेश राठौर, हेमपुष्पा हंसराज को नगर सह मंत्री, ईशांत कुमार साहू कार्यालय प्रमुख, संस्कार पाण्डेय कोष प्रमुख ,आदर्श जयसवाल नगर महाविद्यालय प्रमुख , अनिरुद्ध चौधरी नगर महाविद्यालय सह प्रमुख, प्राची सिंह राणा कोष सह प्रमुख, लक्ष्मिन आदित्य नगर महाविद्यालय सह प्रमुख ,मंदीप साहू सोशल मीडिया संयोजक ,संस्कार त्रिपाठी सोशल मीडिया सह संयोजक, श्रेया तिवारी एसएफडी संयोजक, पारूल शर्मा एसएफडी सह संयोजक ,दिपमाला साहू आरकेएम संयोजक, रानू टंडन आरकेएम सह संयोजक, शशि सूर्यवंशी एसएफएस संयोजक, करीना चौरसिया एसएफएस सह संयोजक, शैलेश सिंह खेलो भारत प्रमुख ,शिव प्रताप सिंह खेलो भारत सह प्रमुख , सावन देवांगन एनएसएस प्रमुख, पीयूष कुमार पटेल एनएसएस सह प्रमुख, स्नेहा हंसराज विद्यालय प्रमुख, चिंटू यादव स्टडी सर्कल प्रमुख, विकास पाण्डेय नगर कार्यकारिणी सदस्य,गौरव पाण्डेय नगर कार्यकारिणी सदस्य, शुभम राठौर स्टडी सर्कल सह प्रमुख, अनामिका सरपे नगर कार्यकारिणी सदस्य, नियुक्त किया गया। उपस्थित अभाविप प्रमुख सदस्यों व अतिथियों ने नवीन कार्यकारिणी को शुभकामनाएं देते हुए छात्रहित में सदैव पूर्ण निष्ठा से कार्य करने की बात कही।

सरस्वती शिशु मंदिर अकलतरा में आचार्य संकल्पना वर्ग का शुभारंभ

विद्यालयीन कार्यपद्धति, शिक्षण कौशल व संस्कार आधारित शिक्षा की दी जा रही जानकारी

हरिभूमि न्यूज ▶▶ अकलतरा

कार्यक्रम में उपस्थित शिक्षकों को संबोधित करते अतिथि।

सरस्वती शिशु मंदिर उच्चतर माध्यमिक विद्यालय अकलतरा में नवीन आचार्यों के लिए आयोजित आचार्य संकल्पना वर्ग का शुभारंभ रविवार को विद्यालय के सभागार में हुआ।

कार्यक्रम का आयोजन विद्या भारती मध्य क्षेत्र के उपाध्यक्ष जुड़ावन सिंह ठाकुर के मुख्य आतिथ्य में सम्पन्न हुआ। कार्यक्रम की अध्यक्षता विद्यालय प्रबंध समिति के अध्यक्ष बिहारी लाल ताम्रकार ने की। विशिष्ट अतिथि के रूप में वरिष्ठ उपाध्यक्ष लव सिंह चंदेल, कोषाध्यक्ष ओमप्रकाश साहू, वर्ग प्रमुख गेंदराम राजपूत, व्यवस्थापक गोपेश तुलस्यान, मोतीलाल कुर्रे, दीनदयाल अग्रवाल, नगर संघ चालक दशरथ नामदेव, कोरबा जिला प्रतिनिधि अर्जुन सिंह पटेल तथा विद्या भारती छत्तीसगढ़ प्रांत प्रमुख एवं कोरबा विभाग समन्वयक दीपक कुमार सोनी उपस्थित रहे। वर्ग प्रमुख गेंदराम राजपूत ने बताया कि प्रशिक्षण वर्ग में कोरबा विभाग से 75 तथा बिलासपुर विभाग से 35 नवीन आचार्य शामिल हुए हैं। कुल 110 आचार्य इस संकल्पना वर्ग में भाग ले रहे हैं। प्रशिक्षण के दौरान विद्यालयीन कार्यपद्धति, शिक्षण कौशल, संस्कार आधारित शिक्षा तथा आचार्य के दायित्वों की विस्तृत जानकारी दी जाएगी। मुख्य अतिथि जुड़ावन सिंह ठाकुर ने अपने उद्बोधन में विद्या भारती के गौरवशाली इतिहास पर प्रकाश डालते हुए बताया कि वर्ष 1952 में उत्तर प्रदेश के गोरखपुर में प्रथम सरस्वती शिशु मंदिर की स्थापना हुई थी। आज विद्या भारती के मार्गदर्शन में देशभर में लगभग 25 हजार विद्यालय संचालित हो रहे हैं, जिनमें 30 लाख से अधिक विद्यार्थी एवं 1 लाख 50 हजार से अधिक आचार्य शिक्षा एवं संस्कारों के माध्यम से राष्ट्र निर्माण में योगदान दे रहे हैं। बिहारी लाल ताम्रकार ने कहा कि शिक्षण केवल एक कार्य नहीं, बल्कि समाज और राष्ट्र निर्माण की सेवा है। कार्यक्रम को गोपेश तुलस्यान ने भी संबोधित किया। कार्यक्रम का संचालन सत्या सिंह ने किया। कार्यक्रम में प्राचार्य केशव कुमार कौशिक, खेमनाथ कश्यप, मनहरण राठौर,ललिता तिवारी, मोहन यादव, मनहरण राठौर, रामरतन निर्मलकर, सुषमा कौशिक, चेतन चौधरी, सविता कुंभकार, पुष्पेंद्र साहू, सती शुक्ला तथा टिकेश्वरी चौहान उपस्थित थे।